राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 26 फरवरी–2023 वर्ष–6,अंक–34 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कई देशों में प्याज पर 'महाभारत', वैश्विक खाद्य संकट बढ़ा; भारत पर कितना असर

नई दिल्ली। कई देशों में प्याज की भारी कमी ने वैश्विक खाद्य संकट पैदा कर दिया है। इसकी कमी अब अन्य सब्जियों की कीमतों को बढ़ा रही है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक का कहना है कि प्याज की कीमतों में कमी और बाद में वृद्धि अन्य फलों और सब्जियों जैसे कि गाजर, टमाटर, आलू, सेब और दुनिया भर में उनकी उपलब्धता को प्रभावित कर रही है। रिपोर्ट है कि प्याज की कीमतें अभी भी दुनिया भर में बढ़ रही हैं और मुद्रास्फीति को बढ़ावा दे रही हैं। इसने मोरक्को, तुर्की और कजाकिस्तान जैसे देशों को अवैध भंडारण के खिलाफ कार्रवाई करने और आपूर्ति सुरक्षित करने के लिए प्रेरित किया है। यह संकट फिलिपींस से शुरू हुआ और कई देशों में बढ़ रहा है। कई देशों में लोगों को प्याज की अत्यधिक कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। मूल्य वृद्धि ने शुरू में फिलीपींस में नागरिकों को प्रभावित किया, फिर यह संकट दुनिया के कई देशों में शुरू हो गया। पैदावार में कमी के कारण बड़े पैमाने पर प्याज की तस्करी हो रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट बताती है कि प्याज की कीमतें अभी भी दुनिया भर में बढ़ रही हैं और मुद्रास्फीति को बढ़ावा दे रही हैं। इसने मोरक्को, तुर्की और कजाकिस्तान जैसे देशों ने अवैध भंडारण के खिलाफ कार्रवाई भी शुरू कर दी है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक के अनुसार, प्याज की कीमतों में कमी और बाद में वृद्धि अन्य फलों और सब्जियों के दाम बढ़ा रही है। इसमें प्रमुख रूप से गाजर, टमाटर, आलू, सेब शामिल हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि यूनाइटेड किंगडम में भी स्थिति खराब है। यह दक्षिणी स्पेन और उत्तरी अफ्रीका में कमजोर फसल के कारण हुआ है।

प्याज पर क्यों हाय-तौबा

प्याज दुनिया में सबसे अधिक खपत वाली सब्जियों में से एक है। इसका सालाना लगभग 106 मिलियन मीट्रिक टन का उत्पादन होता है,

पीएम मोदी ने कहा, 'अमृत काल के पहले बजट में युवाओं के भविष्य को दी गई अहमियत'

पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को युवा शक्ति का दोहन-कौशल और शिक्षा पर बजट के बाद के वेबिनार को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के विजन को लेकर देश के अमृत यात्रा का नेतृत्व हमारे युवा ही कर रहे हैं।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को युवा शक्ति का दोहन-कौशल और शिक्षा पर बजट के बाद के वेबिनार को संबोधित किया।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के विजन को लेकर देश के अमृत यात्रा का नेतृत्व हमारे युवा ही कर रहे हैं। इसलिए अमृतकाल के इस प्रथम बजट में युवाओं को और उनके भविष्य को सबसे ज्यादा अहमियत दी गई है। पीएम ने आगे कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली व्यावहारिक और उद्योग उन्मुख हो। ये बजट इसकी नींव मजबूत कर रहा है।

सरकार कर रही इन पर फोकस

पीएम मोदी ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी नई तरह की क्लासरूम के निर्माण में भी मदद कर रहे हैं। कोविड के दौरान हमने अनुभव भी किया है, इसलिए आज सरकार ऐसे टूल्स पर फोकस कर रही है जिससे कहीं भी ज्ञान की पहुंच सुनिश्चित हो सके। आज भारत को दुनिया विनिर्माण हब के रूप में देख रही है। इसलिए आज भारत में निवेश को लेकर दुनिया में उत्साह है। ऐसे में कुशल कार्यबल आज बहुत काम आती है।

ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म में 3 करोड़ सदस्य

पीएम मोदी ने कहा सरकार ऐसे उपकरणों पर ध्यान केंद्रित कर रही है जिससे कहीं भी शिक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित हो सके। आज हमारे ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म में 3 करोड़ सदस्य हैं।

वर्चुअल लैब और राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी में भी ज्ञान का बहुत बड़ा माध्यम बनने की संभावना है।

नई शिक्षा नीति को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि वर्षों से हमारा शिक्षा क्षेत्र कठोरता का शिकार रहा है। हमने इसे बदलने का प्रयास किया है। हमने युवाओं की शिक्षा और कौशलता को युवाओं की योग्यता और आने वाली मांग के मुताबिक नई दिशा दी। नई शिक्षा नीति में भी शिक्षा और कौशल दोनों पर समान जोर दिया गया है।

भारत को विनिर्माण हब के रूप में देख रही दुनिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत को दुनिया विनिर्माण हब के रूप में देख रही है इसलिए आज भारत में निवेश को लेकर दुनिया में उत्साह है। ऐसे में कुशल कार्यबल बहुत काम आती है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.ह्न आने वाले वर्षों में लाखों युवाओं को स्किल, रिस्किल, अपस्किल करेगी।

सभी को मिलेंगे बराबरी के अवसर

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे शैक्षिक संस्थान के लिए भी अब देश भर से शिक्षण सामग्री की अनेक प्रकार की विविधताएं, विशेषताएं जैसी अनेक चीजें उपलब्ध होने वाली है। इससे गांव और शहरों के विद्यालयों के बीच जो खाई होती थी, वो भी दूर होगी। सभी को बराबरी के अवसर मिलेंगे।

अंग्रेजों के जमाने की कई प्रथाओं को खत्म कर रही भारतीय सेना

प्रधानमंत्री मोदी ने दिया निर्देश

नई दिल्ली। भारतीय सेना अंग्रेजों के जमाने की कई प्रथाओं को बंद करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों के बाद जनरल मनोज पांडे के नेतृत्व में कार्यक्रमों में घोड़े से चलने वाली बग्घियों के इस्तेमाल, सेवानिवृत्ति पर पुलिंग आउट सेरेमनी और डिनर के दौरान पाइपर्स का उपयोग खत्म करने जा रही है। बता दें कि इसको लेकर भारतीय सेना ने अपनी यूनिट्स को आदेश जारी कर दिया है।

प्रथाओं की समीक्षा कर रही भारतीय सेना

सरकार के निर्देशों के अनुसार, भारतीय सेना कुछ यूनिट के अंग्रेजी नामों, भवनों, प्रतिष्ठानों, सड़कों, पार्कों, औचिनलेक या किचनर हाउस जैसी संस्थाओं के नाम बदलने की भी समीक्षा कर रही है और इस संबंध में कई मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है।

बग्घियों का उपयोग होगा बंद–आदेश में कहा गया है कि औपचारिक कार्यों के लिए यूनिट्स या संरचनाओं में बग्घियों का उपयोग बंद कर दिया जाएगा और इन कार्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले घोड़ों को ट्रेनिंग के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। पुलिंग-आउट समारोह में कमांडिंग ऑफिसर या एक वरिष्ठ अधिकारी के वाहन को यूनिट में अधिकारियों और सैनिकों द्वारा उनकी पोस्टिंग या सेवानिवृत्ति पर खींचा जाता है। सेना के अधिकारी ने कहा कि यह प्रथा बहुत व्यापक रूप से नहीं देखी गई है, क्योंकि जब अधिकारी सेवानिवृत्त होते हैं या दिल्ली से बाहर तैनात होते हैं, तो उनके वाहनों को नहीं खींचा जाता है।

भारतीय सेना कर रही पांच प्रतिज्ञाओं की समीक्षा–अधिकारियों ने कहा कि पाइप बैंड भी केवल कुछ पैदल सेना इकाइयों में शामिल हैं और डिनर के दौरान उनका उपयोग बहुत सीमित है क्योंकि बहुत ज्यादा यूनिट्स के पास पाइप बैंड नहीं हैं। भारतीय सेना उन पांच प्रतिज्ञाओं के अनुरूप इन विरासत प्रथाओं की समीक्षा कर रही है जिन्हें प्रधानमंत्री ने लोगों से पालन करने के लिए कहा है।

गुजरात में भीषण हादसा, 2 बच्चों सहित परिवार के 5 लोगों की दर्दनाक मौत

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा में 24 फरवरी की रात को भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें 2 बच्चे भी शामिल हैं। वडोदरा के ट्रैफिक एसपी ने घटना की पुष्टि की है। घटना के संबंध में मिली विस्तृत जानकारी के मुताबिक पूरा परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस लौट रहा था तभी हादसे का शिकार हो गया। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए वडोदरा के सहायक पुलिस आयुक्त प्रणव कटारिया ने बताया कि देर रात कार एक ऑटो रिक्शा में जा घुसी जिससे यह हादसा हुआ।

शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंपा

बताया जाता है कि हादसा होते ही वहां चीख-पुकार मच गई। लोगों की भीड़ वहां इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। बताया जाता है कि हादसे के बाद मौके पर ही 3 लोगों की मौत हो गई थी वहीं इलाज के दौरान 2 बच्चों ने दम तोड़ दिया। शवों को वडोदरा के एसएसजी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया।

शादी समारोह से लौटते समय हुआ हादसा

बताया जाता है कि वडोदरा का नायक परिवार सोखड़ा में एक शादी समारोह में हिस्सा लेने गया था। शादी समारोह में हिस्सा लेने के बाद पूरा परिवार एक ही कार में सवार होकर वापस लौट रहा था तभी कार हादसे का शिकार हो गई। मरने वालों की पहचान 28 वर्षीय अरविंद पूनम नायक, 25 वर्षीय काजल अरविंद नायक, 12 वर्षीय अल्पेश नायक, 5 वर्षीय गणेश अरविंद नायक और 10 वर्षीय दृष्टि अरविंद नायक के रूप में की गई है। सभी के शवों को पोस्टमॉर्टम के पश्चात अंतिम संस्कार के लिए परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

सीधी हादसा : नड्डा ने जताया शोक

भोपाल। मध्यप्रदेश के सीधी जिले में देर रात हुए सड़क हादसे पर भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शोक जताया है। श्री नड्डा ने अपने ट्वीट में कहा कि सीधी में हुई सड़क दुर्घटना में कई लोगों के हताहत होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। प्रशासन बचाव कार्य में तत्परता से लगा है। उन्होंने कहा कि हादसे में हताहत लोगों के परिजन के प्रति गहरी संवेदना हैं। ईश्वर घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें व दिवंगत आत्माओं को श्री चरणों में स्थान दें।

शर्मा ने जताया शोक

मध्यप्रदेश के सीधी जिले के चुरहट थाना क्षेत्र में सीधी रीवा मार्ग पर देर रात हुए भीषण हादसे के बाद अस्पताल पहुंच कर घायलों से मुलाकात करने के बाद भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पूरा भाजपा परिवार हादसे में हताहत लोगों के परिजन के साथ है। श्री शर्मा ने घायलों से मुलाकात के बाद अपने बयान में कहा कि पार्टी का अध्यक्ष होने के नाते

उनकी हताहत लोगों के साथ संवेदनाएं हैं। हम सब उन परिवारों के साथ खड़े हैं, जो इस घटना में हताहत हुए हैं। उचित व्यवस्था से लेकर इलाज तक के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान संवेदनशीलता के साथ तत्काल घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने कहा कि पूरी भारतीय जनता पार्टी हादसे से प्रभावित हुए लोगों के परिवारों के साथ खड़ी है। सीधी जिले में कल देर रात एक ट्रक द्वारा कम से कम दो बसों को टक्कर मार दी गई थी। भीषण हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

कांग्रेस में बड़े पैमाने पर होगी युवाओं की एंट्री, SC-ST, OBC और महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत पद आरक्षित

नई दिल्ली। रायपुर में आयोजित कांग्रेस के पूर्ण अधिवेशन में कांग्रेस कार्यकारिणी समिति और अन्य संगठनात्मक समितियों में युवाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत कोटा आरक्षित करने का निर्णय लिया गया है। पार्टी के उदयपुर चिंतन शिविर में ऐसा प्रस्ताव रखा गया था। अधिवेशन में पूर्व अध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों के लिए सीडब्ल्यूसी में जगह स्थायी करने का भी निर्णय लिया गया। इसके साथ ही जिससे सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मनमोहन सिंह की जगह पक्की हो गई। कांग्रेस ने कांग्रेस कार्यसमिति को मनोनीत करने के लिए पार्टी प्रमुख को अधिकृत करने का भी फैसला किया। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक संगठन में एससी और एसटी के

पार्टी के उदयपुर चिंतन शिविर में ऐसा प्रस्ताव रखा गया था। अधिवेशन में पूर्व अध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों के लिए सीडब्ल्यूसी में जगह स्थायी करने का भी निर्णय लिया गया। इसके साथ ही जिससे सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मनमोहन सिंह की जगह पक्की हो गई।

लिए 25 फीसदी आरक्षण, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए 25 फीसदी आरक्षण होगा। इनमें से 50 फीसदी सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। बाकी 50 फीसदी सामान्य श्रेणी के लिए होगा, पर इसमें से भी पचास प्रतिशत महिलाएं होगी। यानि, संगठन में 75 फीसदी आरक्षण होगा। इसके साथ पार्टी संविधान में संशोधन कर डिजिटल सदस्यता को शामिल कर रही है। वहीं पार्टी सदस्यता के वक्त ली जाने वाली शपथ में भी बदलाव कर रही है। पार्टी संविधान में 16 प्रावधान और 32 नियमों में बदलाव का प्रस्ताव है। नए सदस्य को खादी पहनने के साथ धर्मनिरपेक्षता की भी शपथ लेनी होगी।

सोनिया और राहुल गांधी का स्वागत–महाधिवेशन में हिस्सा लेने के लिए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोपहर बाद रायपुर पहुंचे। दोनों नेताओं ने प्रस्तावों पर चर्चा के लिए ड्राफ्ट समिति की बैठक में हिस्सा लिया। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के शनिवार को रायपुर पहुंचने की संभावना है। रायपुर हवाई अड्डे पर रंग-बिरंगे वस्त्रों में आदिवासी लोक कलाकारों ने ढोल नगाड़ों के बीच उनका भव्य स्वागत किया। कलाकारों ने दोनों नेताओं का स्वागत करने के लिए एक पारंपरिक नृत्य भी प्रस्तुत किया। हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कई नेता मौजूद थे।

भारत ने कोरोना टीकाकरण अभियान से बचाई 34 लाख जानें

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि भारत ने कोरोना के दौरान टीकाकरण अभियान चलाकर 34 लाख लोगों की जान बचाई। यह अभियान सिर्फ लोगों की जान बचाने के शुरू किया गया था। इस दौरान सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया। वहीं, 40 लाख कामगारों को काम दिया। वे कोरोना टीकाकरण और उससे जुड़े आर्थिक प्रभाव पर 'द इंडिया डायलॉग' सत्र को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट का हवाला देकर यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में 30 जनवरी को कोरोना अंतरराष्ट्रीय चिंता दिवस घोषित किया है, लेकिन इससे बहुत पहले भारत में पीएम मोदी ने कोरोना महामारी के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया था। देश ने कोरोना से निपटने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया।

लोगों की जान बचाने को शुरू हुआ था टीकाकरण अभियान

उन्होंने बताया कि स्टैनफोर्ड रिपोर्ट में कहा गया है कि जमीनी स्तर पर ठोस उपायों जैसे होम क्वारंटीन, मास टेस्टिंग ने देश में कोरोना फैसले से रोका। टीकाकरण अभियान से भारत में 34 लाख लोगों की जान बचाई गई। टीकाकरण अभियान सिर्फ महामारी से लोगों की जान बचाने के शुरू किया गया था।

लॉकडाउन का फैसला था महत्वपूर्ण

डॉ. मंडाविया ने कहा कि रिपोर्ट में पीएम मोदी की ओर से लिए गए लॉकडाउन के

फैसले को महत्वपूर्ण फैसला बताया गया। इस दौरान देश में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने पर काम किया गया। लोगों को ह्न-95 मास्क, पीपीई किट और मेडिकल ऑक्सीजन का स्टॉक पर फोकस किया गया। ई-संजीवनी और आरोग्य सेतु जैसे डिजिटल समाधानों की शुरुआत की गई। वहीं, वायरस के उभरते रूपों की जीनोमिक निगरानी के लिए 52 प्रयोगशालाओं का नेटवर्क तैयार किया गया था।

अब तक देश में 2.2 बिलियन कोरोना वैक्सीन के डोज दिए गए

डॉ. मंडाविया ने बताया कि भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया। जिसमें 97ह्न पहली खुराक और दूसरी खुराक का 90ह्न कवरेज मिला। अभी तक कुल मिलाकर टीके की 2.2 बिलियन खुराक दी जा चुकी हैं। देश में ये टीके निशुल्क दिए गए। रिपोर्ट के अनुसार COVAXIN और Covishield के विकास ने देश को वायरस के घातक हमले से लड़ने में मदद की।

सरकार के राहत पैकेजों से मिली राहत

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि रिपोर्ट में महामारी के दौरान सरकार की ओर से शुरू किए गए राहत पैकेजों की भी सराहना की गई। इनको लेकर केंद्र, राज्यों और जिला स्तरों पर अच्छा तालमेल रहा, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को फायदा मिला। कोरोना काल के दौरान छोटे उद्योगों को सहायता देने के लिए एक करोड़ से अधिक एमएसएमई को सहायता दी गई, जिसके ऊपर 100.26 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक प्रभाव पड़ा जो GDP का करीब 4.90 प्रतिशत है।

800 मिलियन लोगों को मुफ्त अनाज दिया गया

कोरोना काल में सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की, जिससे देश का कोई नागरिक भूखा न सोए। इसके तहत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटा गया।जिससे करीब 26.24 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक प्रभाव पड़ा। इसके अतिरिक्त, पीएम गरीब कल्याण रोजगार अभियान के शुभारंभ ने प्रवासी श्रमिकों को तत्काल रोजगार और आजीविका के अवसर प्रदान करने में मदद की। योजना के माध्यम से 4 मिलियन लाभार्थियों को रोजगार प्रदान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 4.81 बिलियन अमेरिकी डॉलर का समग्र आर्थिक प्रभाव पड़ा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पाक को अख्तर का आईना

पाकिस्तान के लाहौर में आयोजित फैज़ फेस्टिवल में भाग लेने गये मशहूर गीतकार व लेखक जावेद अख्तर के बयान का वह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वे पाकिस्तानियों को बता रहे हैं कि मुंबई हमले के दोषी पाक में खुलेआम घूम रहे हैं। जिसका मलाल हर भारतीय के दिल में है। निस्संदेह, पाकिस्तान जाकर ऐसी बेबाक बात कहने का साहस करने वाले जावेद अख्तर की सराहना की जानी चाहिए। जावेद ने यह जवाब कार्यक्रम में एक पाकिस्तानी की उस सलाह के जवाब में दिया, जिसमें वह कह रहा था कि भारतीयों को बताना कि सीमा पार के लोग उनका ख्याल करते हैं और प्यार करते हैं। निस्संदेह, सत्ता के समीकरणों व सत्ता प्रतिष्ठानों की संकीर्ण कूटनीतियों के चलते दोनों देशों के अवाम के मन में गहरी कटुता पैदा होती है। किसी भी देश के सारे धर्मों के सभी लोग तंग नजरिये हों, ऐसा नहीं होता। लेकिन दोनों देशों के संबंधों के पुल को मजबूत करने के प्रयास लगातार जारी रहने चाहिए। बहरहाल, वर्ग विशेष की राष्ट्र के प्रति निष्ठा को लेकर सवाल खड़े करने वालों को जावेद अख्तर का पाकिस्तान में साहसिक ढंग से दिया गया जवाब एक नसीहत है। यह भी कि मौके पर सही बात को कहने का साहस होना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि फलां देश ने मुझे बुलाया है तो उसके ही सुरों में बात की जाये। यद्यपि दोनों देशों में अतिवादी लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। हालांकि, कार्यक्रम में जावेद अख्तर के बयान पर खूब तालियां बजी थीं, लेकिन अब तमाम लोग उनके बयान का विरोध भी कर रहे हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि उन्हें नहीं बुलाया जाना चाहिए था। वहीं भारत में भी अतिवादियों की कमी नहीं है जो कह रहे हैं कि पाक को घर में घुसकर मारा। वास्तव में दोनों देशों के अवाम में परिपक्व सोच का विकास होना चाहिए ताकि सत्तातंत्र की गढ़ी गई गुत्थियों की हकीकत का पता चल सके। यही वक्त की दरकार भी है जब धर्म-संप्रदाय की राजनीति के जरिये दूरियां बनाने को कोशिश हो रही है। वैसे फैज़ अहमद फैज़ की बेटी मुनीजा हाशमी द्वारा संचालित फैज़ फाउंडेशन ट्रस्ट के कार्यक्रम में जावेद अख्तर को पाकिस्तानियों ने धैर्य व संयम के साथ सुना। जावेद ने पाकिस्तानियों को बताया है कि जब भारत में फैज़ अहमद फैज़ आते थे तो उन्हें ऐसा सम्मान मिलता था जैसे कि कोई दूसरे देश का राष्ट्राध्यक्ष आया हो। उन्होंने आगे कहा कि हमने भारत में नुसरत फतेह अली खान और मेहदी हसन के बड़े-बड़े कार्यक्रम आयोजित किये, लेकिन पाकिस्तान ने कभी लता मंगेशकर का कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया। साथ ही जावेद ने यह भी कहा कि हम एक-दूसरे पर आरोप लगाने के बजाय समस्या के समाधान की ओर बढ़ें। इसी कार्यक्रम में एक महिला ने जावेद अख्तर से कहा कि भारतीयों को यह भी बताइएगा कि पाकिस्तानी बुरे नहीं हैं, वे बम ही नहीं मारते, फूलों की माला भी पहनाते हैं और प्यार भी करते हैं। हम चाहते हैं कि इस इलाके में मोहब्बत फैले और लोग प्यार से रहें। यह तार्किक है कि दोनों देशों के अवाम को कट्टरपंथियों को अलग-थलग करके अपने दिल के दरवाजे खुले रखने होंगे। खुले दिमाग से चीजों को देखना होगा। निस्संदेह, दोनों देशों में तंत्र द्वारा जो बंदिशें लगायी गई हैं, उसके कारण दोनों तरफ के लोग एक-दूसरे को समझ नहीं पाते। ऐसे में दोनों देशों में सांस्कृतिक कार्यक्रम व संगीत-कविता के जरिये संवाद के रास्ते ही खुलते हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी कि कोई भारतीय 26 नवंबर, 2008 के उस भयावह आतंकी हमले को नहीं भूल सकता, जिसमें चार दिनों में 160 से अधिक लोग मारे गये थे। जिस हमले को लश्कर-ए-तैयबा ने पाक सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से अंजाम दिया था। जिसकी टीस हर भारतीय को सालों साल सालती ही रहेगी।

आत्मघाती नीतियों का त्रास झेलता पाक

अलबत्ता, किसी पाकिस्तानी राजनेता ने शायद ही कभी तालिबान समेत कट्टरवादी इस्लामिक गुटों से निपटने के लिए अपनी निजी या सामूहिक इच्छाशक्ति दर्शायी हो। अफगानिस्तान में कट्टरवादी इस्लामिक गुटों की मदद करने का खमियाजा अब पाकिस्तान को भुगतना पड़ रहा है, यहां तक कि अपनी सीमाओं के अंदर भी। यह जगजाहिर होने के बावजूद कि पाकिस्तान और तालिबान के बीच सांठ-गांठ है, अमेरिका ने तमाम वक्त नजरें घुमाए रखीं और अंततः उसे स्वयं बेइज्जत होकर अफगानिस्तान छोड़ना पड़ा। इमरान खान को पाकिस्तान में 'तालिबान खान' के नाम से भी जाना जाता हैं।

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान आज जिस हालत में है वह शोचनीय है, आर्थिक स्थिति बदतर होती जा रही है, विदेशी मुद्रा भंडार 2 बिलियन डॉलर से भी नीचे चला गया है। इधर बदहवास पाकिस्तानी सरकार दिवालिया होने से बचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अंतर्राष्ट्रीय बैंकों और दानकर्ताओं से धन का जुगाड़ करने में लगी है, उधर इमरान खान और शहबाज़ शरीफ़ सरकार के बीच वाकयुद्ध जारी है। जाहिर तौर पर अमेरिका परस्त रहे जनरल बाजवा ने अपने एक चेले ले. जनरल अमीर मुनीर को नया सेनाध्यक्ष बनवा दिया है और इस तरह अमेरिका के साथ सेना का इश्क आगे भी जारी रहेगा। ऐसे नाजुक वक्त पर, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पूर्व राष्ट्रपति जनरल परवेज़ मुशर्रफ के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच करने का आदेश सुना डाला, उन पर सेना के अधीन आती भूमि मनमर्जी से आवंटित करने के आरोप लगे हैं। मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, पिछले कुछ सालों से अस्वस्थ चल रहे जनरल मुशर्रफ यूएई के एक अस्पताल में चल बसे। इस सबके बीच, इमरान खान, जिन्होंने खुद प्रधानमंत्री रहते हुए देश की गंभीर आर्थिक स्थिति पर कम ही रुचि ली थी, वे अब राष्ट्रपति अलवी से कह रहे हैं कि उनके पुराने रकीब यानी जनरल कुमर बाजवा के खिलाफ तुरंत जांच बैठाई जाए। उन्होंने अपनी गद्दी जाने के पीछे जनरल बाजवा पर साजिशें करने का आरोप लगाया है। अलबत्ता, किसी पाकिस्तानी राजनेता ने शायद ही कभी तालिबान समेत कट्टरवादी इस्लामिक गुटों से निपटने के लिए अपनी निजी या सामूहिक इच्छाशक्ति दर्शायी हो। अफगानिस्तान में कट्टरवादी इस्लामिक गुटों की मदद करने का खमियाजा अब पाकिस्तान को भुगतना पड़ रहा है, यहां तक कि अपनी सीमाओं के अंदर भी। यह जगजाहिर होने के बावजूद कि पाकिस्तान और तालिबान के बीच सांठ-गांठ है, अमेरिका ने तमाम वक्त नजरें घुमाए रखीं और अंततः उसे स्वयं बेइज्जत होकर अफगानिस्तान छोड़ना पड़ा। इमरान खान को पाकिस्तान में 'तालिबान खान' के नाम से भी जाना जाता हैं। अफगान तालिबान लंबे समय से अपने पाकिस्तानी हमबिरादरों की तहरीक-ए-तालिबान ऑफ पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ मिलकर काम करते आए हैं, और अब टीटीपी की हसरत है कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तानी इलाके को अपने अधीन करना। दूसरी ओर, पाकिस्तान अपनी धरा पर टीटीपी के खिलाफ जंग लड़ने में मशगूल है, जिसको पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अपने भाई-बंदों का व्यापक समर्थन प्राप्त है। अमेरिका और रूस में बहुत से लोग देखकर हैरान होंगे कि क्या यह वही पाकिस्तानी सेना है जो अपने उन्हीं चेलों से लड़ रही है जिनका इस्तेमाल आईएसआई ने दो दशक से ज्यादा अफगानिस्तान में रूसी और अमेरिकी फौज के खिलाफ किया। हाल ही में भारत ने अफगान जनता की सहायतार्थ गेहूं देने के अलावा माली मदद भी की है। अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने से पहले भी भारत जिस तरह निरंतर मदद करता रहा, उसकी प्रशंसा वहां के विभिन्न तबको के लोग एक-सुर में करते हैं। हालांकि दवाओं और खाद्य सामग्री जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति अफगानिस्तान पहुंचाने हेतु भारत को ईरान के चाहबहार बंदरगाह से होकर या फिर हवाई मार्ग के जरिए पहुंचानी पड़ रही है। आलम यह है कि जिस तालिबान ने 25 दिसंबर, 1999 के दिन आईसी-814 का अपहरण करने में आईएसआई का साथ दिया था, आज वही भारत से और अधिक सहायता की दरकार रखता है। भारत के अफगानी मित्र हालांकि इस बात पर मायूस हैं कि जो अफगानी बुजुर्ग अपना जीवनदायी ईलाज भारतीय अस्पतालों में करवाना चाहते हैं उनके लिए वीजा नहीं मिल रहा। भारत को इस मसले पर सकारात्मक नज़रिया रखते हुए नपे-तुले ढंग से ध्यान देना चाहिए। इस बीच, तालिबान के सर्वोच्च नेता हैबातुल्लाह अखुन्ज़ादा और आईएसआई के लाड़ले तालिबान सिराजुद्दीन हक्कानी के बीच मतभेद बढ़ते साफ दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान और तालिबान के बीच बढ़े मतभेद ड्यूरंड सीमारेखा के दोनों ओर भड़कने लगे हैं। जनरल परवेज़ मुशर्रफ के हालिया निधन ने उन दिनों की यादें पुनः ताजा कर दी हैं, जब उन्होंने बतौर राष्ट्रपति अपने कार्यकाल में फ्लाइट आईसी-814 को अगवा कर कंधार ले जाए जाने वाला कांड तालिबान के साथ मिलकर करवाया था। लेकिन वक्त बीतने के साथ भारत के प्रति उनके नजरिए में बदलाव आया, खासकर 2005 में भारत यात्रा उपरांत। इसके बाद दोनों मुल्कों के राजनयिकों में जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर समझौता बनाने के लिए पर्दे के पीछे वार्ताओं का दौर चला। भारतीय दल के नेतृत्व दिवंगत सतिंदर लांबा कर रहे थे जो पाकिस्तान में भारतीय दूतावास में उच्चायुक्त भी रह चुके थे। जाहिर है, भारत ने ऐसी किसी प्रक्रिया को रद्द करना था जो आतंकवाद खत्म करने की गारंटी न देती हो, दोनों देश मौजूदा सीमारेखा के वजूद का सम्मान रख रहे थे। इसको लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने डटकर कहा था 'सीमाएं फिर से नहीं खींची जा सकतीं'। अनेक सम्माननीय पाकिस्तानी हस्तियों, जैसे कि पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद कसूरी, ने भी उस व्यापक संधि का तगड़ा समर्थन किया है जिसके बारे में कहा जाता है कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर दोनों देशों में सहमति लगभग बन ही गई थी, लेकिन इस वार्ता की विषय-सूची पर भारत की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई थी। हालांकि ऐसी खबरें भी थीं कि यह सहमति इस धारणा पर बनी है कि पाकिस्तान आतंकवाद को मदद देना बंद करेगा। वर्ष 2016 में जब प्रधानमंत्री मोदी अपने पाकिस्तानी समकक्ष नवाज़ शरीफ के परिवार में हुए एक शादी समारोह में भाग लेने पहुंचे तो आस फिर जगी कि द्विपक्षीय और आतंकवाद के खात्मे जैसे मुद्दों पर आगे तरक्की होगी। यह उम्मीदें तब बिखर गईं जब 14 जून, 2019 के दिन पुलवामा में केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ, जिसमें 40 जवान शहीद हुए। इस आत्मघाती हमले में भागीदार भी मारे गए, आगे भारत-पाक की सेनाओं में तनातनी बनी। 26 फरवरी, 2020 के दिन भारत ने अपने अर्धसैन्य बलों के जवानों पर हुए इस जघन्य कांड के प्रतिकर्म में, सीमापारीय हवाई सैन्य अभियान में बालाकोट स्थित जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण केंद्र को निशाना बनाया। पाकिस्तान के साथ अर्थपूर्ण वार्ता होने की निकट भविष्य में संभावना बहुत कम है। जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर पर्दे के पीछे चली वार्ताओं में जिन बिंदुओं पर सहमति बनी थी, क्या पाकिस्तान उनका पालन करेगा, यह देखना बाकी है। वैसे भी फिलवक्त पाकिस्तान अपना दिवाला निकलने से बचाने वाले प्रयासों में पूर्णतः व्यस्त है और इसके ध्यान का मुख्य केंद्र बिंदु अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ चली हालिया वार्ताओं पर है। पाकिस्तान को अपनी इस मुसीबत से निकलने में मदद की एवज में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियन विकास बैंक और तेल संपन्न अरबी दानकर्ता मुल्कों ने जो कड़ी शर्तें रखी हैं, पहले उनका पालन करना पड़ेगा। उम्मीद है पाकिस्तान को अहसास होगा कि तेजी से तरक्की करता भारत, अमेरिका और रूस, दोनों के साथ अपने रिश्ते और सुदृढ़ बनाए रखने की हैसियत रखता है। जबकि पाकिस्तान बिना सोचे-समझे यूक्रेन को पश्चिमी जगत द्वारा भेजी जाने वाली युद्धक सामग्री की आपूर्ति श्रृंखला में भागीदार बनकर रूस से तेल आपूर्ति पर मिलने वाली प्रस्तावित आर्थिक छूट का मौका गंवा बैठा। रावलपिंडी के सैन्य मुख्यालय के कर्ता-धर्ताओं को भी याद रखना होगा कि आतंकवाद और भारत के साथ अर्थपूर्ण वार्ता एक साथ नहीं चल सकते।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

विकसित देशों द्वारा मुद्रा स्फीति की समस्या को नहीं सुलझा पाने के हो रहे गम्भीर परिणाम

(लेखक--प्रहलाद सबनानी)

कोरोना काल के बाद से कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति की समस्या विकराल रूप धारण करते हुए यह पिछले 40 से 50 वर्षों के अधिकतम स्तर पर पहुंच गई है। मुद्रा स्फीति की समस्या को हल करने के लिए इन देशों की केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में लगातार वृद्धि की घोषणा करते जा रहे हैं। ब्याज दरों में वृद्धि इस उद्देश्य से की जा रही है ताकि इन देशों के नागरिक बैंकों से ऋण लेने के लिए निरुत्साहित हो तथा वे अपनी बचतों को बैंकों में जमा करने को प्रोत्साहित हो। इससे इन देशों के नागरिकों की खर्च करने की क्षमता कम होकर बाजार में उत्पादों की मांग कम हो जाए। बाजार में उत्पादों की मांग में कमी के चलते, इन उत्पादों की उपलब्धता, मांग की तुलना में, बाजार में बढ़ जाएगी जिससे इन उत्पादों की कीमतों में कमी होकर अंततः मुद्रा स्फीति पर अंकुश लग जाएगा। उक्त प्रकार के उपायों के माध्यम से मुद्रा स्फीति पर तेजी से अंकुश लगता दिखाई नहीं दे रहा है। परंतु, इन देशों, विशेष रूप से अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी जैसे विकसित देशों, के केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में लगातार की जा रही वृद्धि के कारण इन देशों में कई उत्पाद जरूर महंगे होते जा रहे हैं क्योंकि ब्याज लागत के लगातार बढ़ते जाने से इन कम्पनियों की औसत उत्पादन लागत में वृद्धि हो रही है एवं इससे अंततः इन कम्पनियों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। अब इन कम्पनियों ने अपनी लाभप्रदता को बनाए रखने के लिए, अमानवीय पूंजीवादी नीतियों को अपनाते हुए, कर्मचारियों की छंटनी का आसान तरीका अपना लिया है। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की कई कम्पनियों ने नवम्बर 2022 के बाद से लगभग 2 लाख कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। विशेष रूप से अमेरिका की बड़ी बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भी कर्मचारियों की छंटनी करने सम्बंधी घोषणाएं की हैं। जैसे, गूगल की मातृ संस्था अल्फाबेट ने 12,000 इंजिनीयरों की छंटनी की घोषणा की है। माइक्रोसोफ्त की 10,000 इंजिनीयरों (कम्पनी में कार्यरत कुल इंजिनीयरों की संख्या का 5 प्रतिशत) की छंटनी करने की योजना है। इसी प्रकार, एमेजोन द्वारा 18,000, फेसबुक की मातृ संस्था मेटा द्वारा 11,000 (कुल कर्मचारियों की संख्या का 13 प्रतिशत), ट्विटर द्वारा 7,500 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बनाई गई है। कई कम्पनियों द्वारा तो भारी मात्रा में इंजिनीयरों एवं कर्मचारियों की छंटनी की भी जा चुकी है। इस प्रकार विकसित देशों द्वारा पूंजीवादी अर्थव्यवस्था से सबंधित उपायों को अपनाते हुए मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाने हेतु ब्याज दरों में लगातार की जा रही वृद्धि का उपाय भी भयावह अमानवीय परिणाम देता हुआ दिखाई दे रहा है। उक्त वर्णित कई कम्पनियों द्वारा की जा रही छंटनी का सबसे अधिक असर अमेरिका में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य कर रहे भारतीय इंजिनीयरों पर पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। एक अनुमान के अनुसार, अमेरिका में होने वाले इंजिनीयरों की कुल छंटनी की संख्या में से 30 से 40 प्रतिशत के बीच भारतीय इंजिनीयरों की छंटनी होने जा रही है। विशेष रूप से एचवनबी वीजा प्राप्त भारतीय इंजिनीयरों पर कुछ अधिक प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। क्योंकि, इन इंजिनीयरों को इनकी छंटनी की स्थिति में 60 दिनों के अंदर अमेरिका में ही अन्य रोजगार प्राप्त करना आवश्यक होगा अन्यथा अगले 10 दिनों में उन्हें अमेरिका छोड़कर किसी अन्य देश में जाना होगा। इन इंजिनीयरों के छोटे छोटे बच्चे, जो अमेरिकी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, उनकी शिक्षा किस प्रकार प्रभावित होने जा रही है, यह हम केवल सोच ही सकते हैं। अतः इन विशेष परिस्थितियों के बीच निर्मित हुई उक्त समस्या का हल भारत सरकार एवं अमेरिकी सरकार द्वारा मिलकर सोचा जाना चाहिए। प्रभावित होने जा रहे इंजिनीयरों के लिए 60 दिनों के अंदर दूसरा रोजगार प्राप्त करने सम्बंधी नियम को समाप्त कर दिया जाना चाहिए क्योंकि मंदी के इस माहौल में किसी अन्य कम्पनी में भी रोजगार प्राप्त करना आसान कार्य नहीं है। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के इंजिनीयरों के लिए यह पल एक तरह से इम्तिहान के पल जैसे साबित हो रहे हैं। यह वर्ग अभी तक अमेरिकी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपना पूर्ण योगदान देता आया है। अमेरिकी सरकार का भी अब कर्तव्य बनता है कि आड़े वक़्त में इन इंजिनियरों को नया रोजगार प्राप्त करने में मदद करे अथवा नया रोजगार प्राप्त करने सम्बंधी 60 दिवस की सीमा को खत्म कर दे। यदि अमेरिका इस सम्बंध में कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लेता है तो इतनी बड़ी संख्या में प्रशिक्षित इंजिनीयरों को वह खो देगा एवं दीर्घअवधि में अमेरिका के लिए यह घाटे का सौदा साबित होगा। हालांकि भारत सरकार यदि चाहे तो अमेरिका में छंटनी का शिकार हो रहे इंजिनीयरों को भारत में ही नया रोजगार प्राप्त प्रदान करने सम्बंधी योजना पर भी विचार किया जा सकता है क्योंकि इंजिनीयरों का यह वर्ग उच्च शिक्षा प्राप्त एवं प्रशिक्षित वर्ग है। अमेरिका से भारत में वापिस लौटने वाले इंजिनीयरों को ब्रिवर्स ब्रेन ड्रेन की संज्ञा भी दी जा सकती है और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह लाभकारी सिद्ध होगा। भारत में आर्थिक विकास की दर लगातार तेज हो रही है अतः भारत में प्रशिक्षित इंजिनीयरों की मांग भी बनी हुई है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि ब्याज दर के लगातार बढ़ाते जाने से कई विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति तो नियंत्रण में नहीं आ पा रही है परंतु अन्य कई प्रकार की अन्य आर्थिक समस्याएं जरूर उभरती नजर आ रही हैं। जैसे, कम्पनियों के व्यवसाय में कमी होना, कम्पनियों की लाभप्रदता में कमी होना, कर्मचारियों की छंटनी होना, करों के संग्रहण में कमी होना एवं बेरोजगारी का बढ़ना, आदि। इस कारण से अब यह सोचा जाना चाहिए कि इन परिस्थितियों में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों का बढ़ाते जाना क्या सही उपाय है। इस तरह के उपाय पूर्व में विकसित अर्थव्यवस्थाओं, जिन्होंने पूंजीवादी मॉडल के अनुसार अपने आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है, द्वारा किए जाते रहे हैं। जबकि, अब यह उपाय बोथरे साबित हो रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच, उत्पादों की मांग कम करने के उपाय के स्थान पर उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाकर क्या इन समस्याओं का हल नहीं निकाला जाना चाहिए। विशेष रूप से मुद्रा स्फीति की समस्या उत्पन्न ही इसलिए होती है कि सिस्टम में उत्पादों की मांग की तुलना में आपूर्ति कम होने लगती है। कोरोना महामारी के दौरान एवं उसके बाद रूस एवं यूक्रेन युद्ध के कारण कई देशों में कई उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है। जिसके कारण मुद्रा स्फीति इन देशों में फैली है। अब इन देशों द्वारा पूंजीवादी मॉडल को अपनाते हुए सिस्टम में उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने के स्थान पर ब्याज दरों को बढ़ाकर इन उत्पादों की मांग कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जो कि अपने आप में एक नकारात्मक परिणाम देने वाला उपाय है। अमेरिका में तो ब्याज दर बढ़ाने का असर मुद्रा स्फीति को कम करने में नहीं होता दिखाई दे रहा है। क्योंकि, अमेरिका में तो यहां के नागरिकों की औसत आय इतनी अधिक है कि उन्हें ब्याज दर के बढ़ने अथवा घटने से कोई खास अंतर नहीं पड़ता है, जिससे उत्पादों की मांग भी कुछ तेजी से कम नहीं हो पा रही है। अमेरिका में नागरिकों की संख्या से अधिक मार्गों पर चल रही कारों की संख्या है।

विचार मंथन

युद्ध की जटिल स्थिति

(लेखक - सनत जैन)

अमेरिकी राष्ट्रपति की यूक्रेन यात्रा के बाद जो हालात पैदा हुए हैं, उसने अब नई बहुस्तरीय चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। जरूरत इसकी थी कि यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध के एक साल पूरे होने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ती और उसे खत्म करने के लिए नए सिरे से कोशिशें शुरू की जातीं। अगर किसी पक्ष के एक कदम पीछे हटने से युद्ध का अंत करने में मदद मिलने की संभावना होती तो उस विकल्प पर भी विचार किया जाता। लेकिन इसके उलट हुआ यह कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन की अघोषित यात्रा की और वहां के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ एक तरह से एकजुटता जाहिर की। बाइडेन के इस कदम को यूक्रेन के साथ अब अमेरिका के प्रत्यक्ष रूप से खड़ा होने के तौर पर देखा जा रहा है और संकट में पड़े अपने सहयोगी के प्रति यह किसी भी देश के लिए स्वाभाविक प्रयास है। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने की योजना बना रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका समेत कई पश्चिमी देश भले ही पुतिन की सेना को ललकारते दिख रहे हैं, लेकिन चीन ने जो कदम उठाया है उसने इन सभी देशों की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिका ने कहा है कि चीन रूस को हथियारों की मदद पहुंचाने वाला है, जिससे पुतिन की सेना यूक्रेन पर और ज्यादा आक्रामक हो जाएगी। इससे पहले जेलेंस्की के कार्यालय ने कहा था कि यह युद्ध और भी विनाशकारी हो सकता है और यूक्रेनी सेना इससे निपटेगी। उधर, रूस ने डोनबास के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र के सभी हिस्सों पर कब्जा करने के लिए अपना अभियान और तेज करते हुए लगातार गोलाबारी कर रहा है। विशेषज्ञों ने भी चेताया कि यह युद्ध अभी वर्षों तक खिंच सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि बाइडेन का यही कदम रूस और यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच एक नई जटिल स्थिति बनने के हालात पैदा कर रहा है। दरअसल, बाइडेन की इस यात्रा पर रूस की प्रतिक्रिया का अंदाजा सभी को था, लेकिन यह जिस तेवर में आई है, उससे अब वैश्विक स्तर पर कई तरह की आशंकाएं मंडराने लगी हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि बाइडेन के अघोषित और अचानक यात्रा के जरिए यूक्रेन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने न केवल नाराजगी जाहिर की, बल्कि रूस और अमेरिका के बीच परमाणु संधि को भी निलंबित करने की खबर है। अब अगर मौजूदा स्थिति को संभालने की कोशिश तत्काल शुरू नहीं हुई तो यह समझना मुश्किल नहीं है कि इसके कैसे नतीजे सामने आ सकते हैं। ताजा संदर्भों में अपने देश को संबोधित करते हुए पुतिन ने यह जरूर कहा कि हम युद्ध को आखिरी विकल्प मानते हैं और बातचीत से इसका समाधान चाहते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने यह टिप्पणी भी की कि अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने काम बिगाड़ दिया; अमेरिका ने यूक्रेन में भी वही खेल खेला है जो उसने इराक और सीरिया जैसे देशों में किया था। यों विश्व भर में जो भी देश इस युद्ध को खत्म करने की सदिच्छा रखते हैं, उन सबका यह मानना है कि समस्या का हल सिर्फ बातचीत के जरिए किया जा सकता है और रूस-यूक्रेन को इसी ओर कदम बढ़ाने की जरूरत है, लेकिन पुतिन ने भी यह दर्ज किया कि अपनी ताकत में इजाफे के मकसद से युद्ध को हवा देने की पश्चिमी देशों की कोशिशों के बरक्स यूक्रेन अगर बातचीत की मेज पर आ जाता तो इतना नुकसान नहीं होना था। जाहिर है, अमेरिकी राष्ट्रपति की यूक्रेन यात्रा के बाद जो हालात पैदा हुए हैं, उसने अब नई बहुस्तरीय चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। जबकि महामारी के बाद आर्थिक संकट से उबरने के लिए दुनिया भर में जिस तरह के जद्दोजहद चल रहे हैं, उसमें इस युद्ध को खत्म करना भी बेहद जरूरी है। यह छिपा नहीं है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का असर किस तरह खाद्यान्न से लेकर तेल या अन्य जरूरी वस्तुओं के आयात-निर्यात पर पड़ा है। अब अगर दुनिया में मंदी की आशंका गहराती है तो उसमें युद्ध से उपजे हालात पहले से एक बड़ी भूमिका निभाएंगे। ऐसे में अमेरिका हो या रूस या कोई भी अन्य प्रभावशाली देश, सबको मिल कर युद्ध को खत्म करने की दिशा में ही समाधान खोजना चाहिए था। लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि वैश्विक ताकतों का मकसद जंग से उपजी जटिलता का हल निकालने के बजाय अपने अहं की तुष्टि या फिर कुछ परोक्ष मकसद हासिल करना है। वरना वे युद्ध की तीव्रता को कमजोर करके उसे खत्म करने की कोशिश करते, न कि नए सिरे उस आग और भड़काते।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अक्टूबर-दिसंबर 2022 में बेरोजगारी दर घटकर 7.2 फीसदी रही: सर्वेक्षण

नई दिल्ली । (एजेंसी)

शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर 2022 के दौरान घटकर 7.2 प्रतिशत रह गई। इससे एक साल पहले समान अवधि में यह दर 8.7 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) ने यह जानकारी दी। कुल श्रम बल के बीच बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत को बेरोजगारी दर कहते हैं। कोविड महामारी के चलते लागू किए गए लॉकडाउन के कारण अक्टूबर-दिसंबर 2021 में बेरोजगारी दर काफी अधिक थी। हालांकि, इसके बाद जुलाई-सितंबर 2022 में भी बेरोजगारी दर 7.2 फीसदी थी। इसी तरह निश्चित समय पर होने वाले 17वें श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के मुताबिक शहरी क्षेत्रों में अप्रैल-जून 2022 में बेरोजगारी दर (यूआर) 7.6 प्रतिशत थी। सर्वेक्षण के मुताबिक शहरी क्षेत्रों में महिलाओं में बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर 2022 में सालाना आधार पर 10.5 प्रतिशत से घटकर 9.6 प्रतिशत हो गई। पुरुषों में बेरोजगारी दर सालाना आधार पर 8.3 प्रतिशत से घटकर अक्टूबर-दिसंबर 2022 में 6.5 प्रतिशत थी। सर्वेक्षण के मुताबिक जुलाई 2021 से जून 2022 में बेरोजगारी दर घटकर 4.1 प्रतिशत रह गई। इससे एक साल पहले की इसी अवधि में यह आंकड़ा 4.2 प्रतिशत था।

हीरो रियल्टी ने गुरुग्राम में 90 करोड़ रुपए में खरीदी जमीन

नई दिल्ली: रियल एस्टेट फर्म हीरो रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड ने एक आवासीय परियोजना के विकास के लिए गुरुग्राम में 90 करोड़ रुपए में एक भूखंड खरीदा है। संपत्ति सलाहकार फर्म कुशमैन एंड वेकफील्ड ने इस सौदे को संपन्न कराने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि भूखंड बेचने वाली फर्म की जानकारी नहीं दी गई है। हीरो रियल्टी ने एक बयान में कहा कि गुरुग्राम के सेक्टर 85 में स्थित पांच एकड़ के इस भूखंड का सौदा 90 करोड़ रुपये में हुआ है। यहां पर एक आवासीय परियोजना विकसित की जाएगी। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी धर्मेश शाह ने कहा कि इस परियोजना के साथ ही हीरो रियल्टी ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में दस्तक दे दी है। कंपन लुधियाना, मोहाली और हरिद्वार में आवासीय परियोजनाएं विकसित कर चुकी है।

आरबीआई ने 5 सहकारी बैंकों पर लगाए बड़े प्रतिबंध

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 5 सहकारी बैंकों पर निकासी समेत कई प्रतिबंध लगाए हैं। आरबीआई ने यह कदम इन बैंकों की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को देखते हुए उठाया है। आरबीआई ने अलग-अलग बयानों में कहा है कि ये प्रतिबंध छह महीनों तक प्रभावी रहेंगे। इन प्रतिबंधों के कारण, ये बैंक आरबीआई को पूर्व सूचना दिए बिना न तो ऋण स्वीकृत कर सकते हैं, न कोई निवेश कर सकते हैं, कोई नया दायित्व भी नहीं उठा सकते हैं और अपनी किसी संपत्ति का हस्तांतरण या उसका अन्य कोई उपयोग नहीं कर सकते। आरबीआई के अनुसार एचसीबीएल सहकारी बैंक, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), आदर्श महिला नगरी सहकारी बैंक मर्यादित, औरंगाबाद (महाराष्ट्र) और शिमशा सहकार बैंक नियमित, मदुर, मांड्या (कर्नाटक) की मौजूदा नकदी स्थिति के कारण इन बैंकों के ग्राहक अपने खातों से रुपए की निकासी नहीं कर सकेंगे। हालांकि उर्वाकोंडा सहकारी नगर बैंक, उर्वाकोंडा (अनंतपुर जिला, आंध्र प्रदेश) और शंकरराव मोहिते पाटिल सहकारी बैंक, अकलुज (महाराष्ट्र) के ग्राहक 5,000 रुपए तक की निकासी कर सकेंगे। आरबीआई ने कहा कि पांचों सहकारी बैंकों के पात्र जमाकर्ता जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम से पांच लाख रुपए तक जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने के हकदार होंगे।

बौद्धिक संपदा सूचकांक में भारत 55 देशों में 42वें स्थान पर

वाशिंगटन । अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक के मामले में भारत दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से 42वें स्थान पर है। यह आईपी-चालित नवाचार के द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के बदलाव की संभावनाओं को दिखाता है। अमेरिकी उद्योग मंडल यूएस चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर की तरफ से जारी वार्षिक रिपोर्ट में भारत की बौद्धिक संपदा-आधारित नवाचार गतिविधियों की प्रशंसा की गई है। रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संपदा सूचकांक को आधार बनाते हुए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति को दर्शाया गया है। ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पैट्रिक किल्ब्राइड ने कहा, भारत का आकार और आर्थिक रसूख वैश्विक पटल पर लगातार बढ़ रहा है, ऐसी स्थिति में भारत आईपी-प्रेरित नवाचारों की मदद से अपनी अर्थव्यवस्था का कायाकल्प करने की मंशा रखने वाली उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक अग्रणी देश बन सकता है। पेटेंस से लेकर कॉपीराइट कानूनों तक का जिक्र करने वाली रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने कॉपीराइट अधिकारों के उल्लंघन पर गतिशील निषेधात्मक आदेश जारी कर कॉपीराइट की नकल रोकने के सशक्त प्रयास किए हैं। इसके अलावा आईपी-आधारित कर रियायतें देकर और नकली उत्पादों के बारे में जागरूकता फैलाकर भी भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय काम किया है। किल्ब्राइड ने कहा, भारत ने कॉपीराइट का उल्लंघन करने वाली सामग्री के खिलाफ कानून प्रवर्तन को सख्त करने के साथ ही आईपी परिसंपत्तियों की बेहतर समझ एवं उपयोग को भी बढ़ावा देने वाला ढांचा खड़ा किया है। हालांकि इस ढांचे में मौजूद खामियों को दूर करना भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए एक नया मॉडल बनाने में अहम होगा।

यस बैंक ने एफडी पर ब्याज दरें बढ़ाई

नई दिल्ली । निजी सेक्टर के यस बैंक ने 2 करोड़ रुपए से कम रकम की फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक ब्याज की नई दरें 21 फरवरी, 2023 से प्रभावी हो गई हैं। यस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर 0.25 फीसदी से लेकर 0.50 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। बैंक ने 25 महीने वाली एफडी ब्याज दरों को रिवाइज किया है। बैंक अब 36 महीने की फिक्स्ड डिपॉजिट पर 8 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रहा है। आरबीआई ने बीते 8 फरवरी को रेपो रेट में 0.25 सदी का इजाफा किया था। रेपो रेट में इजाफे के बाद देश के कई सरकारी और प्राइवेट बैंकों ने अपने एफडी की दरें बढ़ा दी हैं। एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक जैसे कई बैंकों ने हाल के दिनों में एफडी पर ब्याज बढ़ाया है।

अमेरिकी वित्त मंत्री ने भारत को अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बताया

बेंगलुरु । अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने भारत को अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बताने के साथ ही आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को मजबूती देने के लिए 'दोस्ताना रुख वाले आपूर्तिकर्ता (फ्रेंडशोरिंग) का रुख अपनाने की वकालत की। येलेन ने जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की बैठक से अलग अमेरिका और भारत के प्रौद्योगिकी व्यापारिक नेताओं की गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए फ्रेंडशोरिंग पर जोर दिया। फ्रेंडशोरिंग के तहत कच्चा माल एवं आपूर्ति श्रृंखला को भी साझा मूल्यों वाले देशों से ही मंगाया जाता है। उन्होंने कहा, अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2021 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 150 अरब डॉलर से पार पहुंच गया। हमारे लोगों के बीच संबंध हमारे रिश्ते की गहराई की पुष्टि करते हैं। दो लाख भारतीय विद्यार्थी अमेरिका में शिक्षा ग्रहण करते हुए स्कूलों और विश्वविद्यालयों में जाते हैं। दैनिक आधार पर हम एक-दूसरे पर निर्भर हैं। भारतीय लोग संचार के लिए व्हाट्सएप का उपयोग करते हैं, तब अमेरिकी कंपनियां संचालन के लिए इंफोसिस पर निर्भर हैं। इस गोलमेज बैठक में इंफोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि, आईबीएम इंडिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल, इंटेल इंडिया की कंट्री हेड निवृति राय, फॉक्सकॉन इंडिया के कंट्री हेड जोश फौग्गर और विप्रो के चेयरमैन रिषद प्रेमजी सहित इस क्षेत्र की शीर्ष हस्तियां शामिल थीं। अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा, भविष्य के लिए मैं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अपने संबंधों को सशक्त करने की इच्छुक हूं। अमेरिका अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का लचीलापन बढ़ाने के लिए फ्रेंडशोरिंग का रवैया अपनाने की दिशा में अग्रसर है। हम इस भारत जैसे अपने भरोसेमंद कारोबारी साझेदारों के साथ एकीकरण कर अंजाम दे रहे हैं। मसलन, गूगल और एप्पल जैसी प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत में अपने फोन उत्पादन को बढ़ा रही हैं।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट रही

मुंबई । (एजेंसी)

साप्ताहिक आधार पर घरेलू शेयर बाजार ने बीते तीन हफ्तों की बढ़त गंवाई हैं। 24 फरवरी को समाप्त हुए हफ्ते में वैश्विक संकेतों के बीच शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट दर्ज की गई। बीते पांच कारोबारी दिनों में सोमवार और बुधवार को शेयर बाजार में गिरावट रही ले किन मंगलवार, गुरुवार और शुक्रवार को शेयर बाजार तेजी पर तो खुले किंतु आखिर में गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 185 अंक चढ़कर 61,183 पर खुला और 311.03 अंक 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ 60,691.54 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 22 अंकों की तेजी के साथ 17,966 पर खुला और 99.60 अंक यानी 0.56 फीसदी की गिरावट के साथ 17,844.60 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स आज सुबह 78 अंक चढ़कर 60,770 पर खुला और 19 अंकों की गिरावट रही है और यह 60,672.72 पर बंद हुआ। निफ्टी 44 अंकों की तेजी के साथ 17,888 पर खुला और 18 अंक गिरकर 17,826.70 पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स 281 अंक टूटकर 60,392 पर खुला और 927.74 अंक की गिरावट के साथ 59,744.98 पर बंद हुआ। निफ्टी 72 अंक गिरकर 17,755 पर खुला और 272.40 अंक की गिरावट के साथ 17,554.30 पर बंद हुआ।

गुरुवार को सेंसेक्स 33 अंक चढ़कर 59,778 पर खुला और 139.18 अंक की गिरावट के साथ 59,605.80 पर बंद हुआ। निफ्टी 21 अंकों की तेजी के साथ 17,575 पर खुला और 272.40 अंक की गिरावट के साथ 17,554.30 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 253 अंकों की तेजी के साथ 59,859 पर खुला और 141.87 अंक की गिरावट के साथ 59463.93 पर बंद हुआ। निफ्टी 27 अंक चढ़कर 17,531 पर खुला और 45.45 अंक घटकर 17465.80 पर बंद हुआ।

जनवरी में लोगों ने खूब किया क्रेडिट कार्ड का उपयोग, ई-कॉमर्स में लेन-देन ज्यादा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

देश के अंदर क्रेडिट कार्ड से खर्च करने की रफ्तार जनवरी में भी बनी रही। लगातार 11वें महीने क्रेडिट कार्ड से व्यय 1 लाख करोड़ रुपए के पार गया है। ई-कॉमर्स में लेन-देन और यात्रा सहित विवेकाधीन व्यय बढ़ने की वजह से ऐसा हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों से साफ होता हैं, कि जनवरी में क्रेडिट कार्ड से व्यय 1.27 लाख करोड़ रुपए रहा है। यह दिसंबर के बहुत ज्यादा आधार के बावजूद अधिक है। दिसंबर में व्यय 1.26 लाख करोड़ रुपए था। वहीं पिछले साल जनवरी की तुलना में व्यय 45 प्रतिशत बढ़ा है।

क्रेडिट कार्ड से जनवरी में किए गए खर्च में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी ऑनलाइन व्यय पर 60 प्रतिशत है, जबकि शेष व्यय प्वाइंट आफ सेल (पीओएस) लेन-देन से हुआ है। क्रेडिट कार्ड जारी करे वाले प्रमुख बैंकों आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और एसबीआई कार्ड के व्यय में दिसंबर की तुलना में जनवरी में एक अंक की मामूली वृद्धि हुई है, जबकि सबसे ज्यादा क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले बैंक एचडीएफसी बैंक के कार्ड से व्यय में इस अवधि के दौरान खर्च में 1.29 प्रतिशत गिरावट आई है। यात्रा और आतिथ्य पर व्यय बढ़ा है, जो कोराना माहमारी के दौरान सुस्त था। इसकारण से क्रेडिट कार्ड से व्यय में बढ़ोतरी हुई है। दरअसल अक्टूबर 2022 में त्यौहारों के व्यय के कारण क्रेडिट कार्ड से व्यय 1.29 लाख करोड़ रुपए के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था। उधर जनवरी महीने में नए कार्डों की संख्या बढ़ी है, जो दिसंबर में सुस्त थी। बैंकिंग व्यवस्था में 12.6 लाख नए कार्ड जुड़े हैं, जिससे बाजार में कार्डों की संख्या 824.5 लाख हो गई है। दिसंबर में कार्डों की संख्या में शुद्ध बढ़ोतरी 5,80,555 रही है।

चीनी कंपनी एंट ग्रुप पेटीएम में अपनी हिस्सेदारी कम करने की तैयारी में

बिजनेस टाइकून सुनील मित्तल पेटीएम में हिस्सेदारी बढ़ने को तैयार

मुंबई । पेटीएम में चीन की एक बड़ी फर्म अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में है। रिपोर्ट में दावा किया है कि ये फर्म कुछ हिस्सेदारी बेचने के साथ ही बाकी शेयर्स को अभी होल्ड रखेगी। हालांकि चीन की ये दिग्गज कंपनी पेटीएम में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के बाद अब वन 97 कम्यूनिकेशन लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी को घटाने पर विचार कर रही है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में बताया गया है कि रेगुलेटरी और शेयरों के कीमत के हिसाब से एंट ग्रुप हिस्सेदारी घटाने का फैसला बदल भी सकता है या फिर इसमें संशोधन भी हो सकता है। पेटीएम ने इस पर कोई जानकारी देने से इनकार किया है, एंट ग्रुप की पेटीएम में हिस्सेदारी बेचने की चर्चा उस समय में हो रही है, जब अलीबाबा ग्रुप होल्डिंग लिमिटेड ने पेटीएम में हिस्सेदारी बेची है। रिपोर्ट बताती है कि एंट ग्रुप राजनैतिक नहीं, बल्कि तकनीकी वजह से अपनी हिस्सेदारी बेचना चाहता है। दिसंबर में एंट ग्रुप की वन 97 कम्यूनिकेशन में 24.86 फीसदी हिस्सेदारी थी, लेकिन बाद में और शेयर खरीदने के बाद इसके पास पेटीएम की 25 फीसदी से ज्यादा की हिस्सेदारी है। रिपोर्ट में कहा गया है एंट ग्रुप के पास हिस्सेदारी घटाने के लिए 90 दिन का समय है।

फिर दूध होगा महंगा, 5 रुपए प्रति लीटर हो रही है बढ़ोतरी

- दूध की यह कीमत एक मार्च से आगामी 31 अगस्त तक लागू रहेगी

मुंबई । (एजेंसी)

मुंबई दुग्ध उत्पादक संघ ने शहर में भैंस के दूध की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह बढ़ोतरी 5 रुपए प्रति लीटर की होगी। यह फैसला आगामी बुधवार एक मार्च 2023 से हो रहा है। एमएमपीए की तरफ से यह जानकारी शुक्रवार को दी गई। एमएमपीए के अध्यक्ष सीके सिंह ने बताया कि भैंस के दूध के दाम थोक में बढ़ाये जा रहे हैं। मतलब कि शहर में दूध के 3,000 से अधिक खुदरा विक्रेताओं द्वारा बेचे जाने वाले भैंस के दूध की कीमत और बढ़ जाएगी। अब दूध के रिटेलर को भैंस का दूध 80 रुपए प्रति लीटर के बजाए 85 रुपए प्रति लीटर मिलेगी। मतलब कि खुदरा में दूध का दाम 90 से 95 रुपए तक हो सकता है। दूध की यह कीमत एक मार्च से आगामी 31 अगस्त तक लागू रहेगी। मुंबई में दूध की कीमत में सितंबर 2022 के बाद यह दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है। इससे पहले भैंस के दूध की कीमत 75 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 80 रुपए प्रति लीटर कर दी गई थी। इससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ गया है। सिंह ने कहा कि गुरुवार देर रात एमएमपीए की आम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है। उनका कहना है कि भैंस के चारे, खली, भूसी, दाना आदि के दाम में 15 से 20 फीसदी की बढ़ोतरी हो गई है। लागत बढ़ जाने की वजह से मजबूरी में उन्हें दूध की कीमत में भी बढ़ोतरी करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि मुंबई में प्रतिदिन 50 लाख लीटर से अधिक भैंस के दूध की खपत होती है।देश में दूध की सबसे बड़ी कंपनी, गुजरात डेयरी को-ऑपरेटिव अमूल ने इसी महीने दूध के दाम में बढ़ोतरी की है। अमूल ने दूध के दाम में तीन रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की। अमूल के बढ़े हुए दाम दो फरवरी 2023 से ही अमल में आ गए हैं। दूध के दाम में इस बढ़ोतरी के बाद अमूल गोल्ड की कीमत 66 रुपए प्रति लीटर, अमूल ताजा की कीमत 54 रुपए प्रति लीटर, अमूल गाय का दूध 56 रुपए प्रति लीटर और अमूल ए2 भैंस के दूध की कीमत 70 रुपए प्रति लीटर हो गई थी। इसके बाद देश के सभी प्रमुख दूध उत्पादक संघों के साथ-साथ अन्य प्रमुख ब्रांडेड उत्पादकों ने दूध की कीमतों में कम से कम 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है।

भारत को चीन की तरह ईमानदारी की जरूरत: नारायण मूर्ति

नई दिल्ली । (एजेंसी)

इंफोसिस के संस्थापक और वर्तमान में कैटरमन वेंचर्स के अध्यक्ष एनआर नारायण मूर्ति ने एक बड़ा बयान दिया है। नारायण मूर्ति ने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत को ईमानदारी की संस्कृति सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 1940 के दशक के अंत में अर्थव्यवस्था के स्तर पर भारत के समान आकार होने के बावजूद, चीन ने जिस संस्कृति को आत्मसात किया है, उसके कारण वह भारत की भारत की तुलना में 6 गुना तेजी से विकास किया है। मूर्ति ने विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित एशिया आर्थिक वार्ता में कहा हमें तुरंत निर्णय लेने, कार्यान्वयन करने, परेशानी रहित लेन-देन, ईमानदारी की संस्कृति बनाने की आवश्यकता है, जिसमें पक्षपात न हो। उन्होंने कहा कि इस तरह की सांस्कृतिक विशेषताएं सभी विकसित देशों को जोड़ने वाला एकमात्र सामान्य पहलू हैं। उन्होंने कहा कि देश में केवल एक छोटा वर्ग कड़ी मेहनत करता है और अधिकांश लोगों ने उस संस्कृति को नहीं अपनाया है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आवश्यक है। उन्हें राष्ट्र-विरोधी न बुलाया जाए।

शंघाई दौरे का एक अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि शहर के मेयर ने उनके द्वारा चुने गए 25 एकड़ भूमि पार्सल का चयन करने के एक दिन बाद ही उन्हें आवंटित कर दिया था। निचले स्तर पर मौजूद भ्रष्टाचार के कारण भारत में इस गति का अभाव है।

इसके अलावा, युवाओं को एक संदेश में मूर्ति ने कहा कि उन्हें मूनलाइटिंग या घर से काम करने पर जोर नहीं देना चाहिए। युवाओं के लिए मेरी विनम्र इच्छा है कि कृपया इस जाल में न पड़ें कि मैं मूनलाइटिंग करूंगा या मैं घर से काम करूंगा और मैं सप्ताह में तीन दिन ऑफिस आऊंगा।

गूगल ने रोबोट को भी किया बाहर

- गूगल का प्रायोगिक डिपार्टमेंट एवरीडे रोबोट्स बंद

नई दिल्ली । (एजेंसी)

छंटनी का खतरा अब केवल इंसानों तक सीमित नहीं रह गया है। इसकी जद में अब मशीने भी आ रही हैं। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में से एक लोगों की छंटनी के बाद रोबोट्स को भी बाहर करना शुरू कर दिया है। गूगल के प्रायोगिक डिपार्टमेंट एवरीडे रोबोट्स को बंद कर दिया गया है। इसे पिछले साल अल्फाबेट के एक्स मूनशॉट लैब से अलग एक पूरा विभाग ही बना दिया गया था। इस विभाग में करीब 200 लोग काम कर रहे थे। इसके रोबोट कैंटीन में टेबल साफ करने, कचरा अलग करने और लोगों के लिए दरवाजे खोलने का काम करते थे। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कर्मचारियों को बताया कि एवरीडे रोबोट अब एक अलग प्रोजेक्ट नहीं रहेगा। कुछ टेक्नोलॉजी और लोगों को गूगल रिसर्च के अंदर मौजूदा रोबोटिक अभियानों में शामिल कर लिया जाएगा। बता दें कि इससे पहले जनवरी में कंपनी ने 12,000 लोगों को बाहर का रास्ता दिखा दिया था। अभी हाल ही में भारत में गूगल के करीब 480 कर्मचारियों को छंटनी का ईमेल भेजा गया था। गूगल से 12,000 कर्मचारियों को निकालने की घोषणा करते हुए कहा था कि उन्हें इस बात का बेहद दुख है। पिचाई ने कहा था कि मैं तहे दिल से इसके लिए माफी मांगना चाहता हूं। मुझे इस बात का बेहद अफसोस है कि इस फैसले से गूगल के कर्मचारियों की जिंदगी पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ेगा और हम जिन भी कारणों से इस स्थिति में पहुंचे हैं उसके लिए मैं पूरी तरह जिम्मेदार हूं।

बकौल पिचाई, जो कर्मचारी हमें छोड़कर जा रहे हैं उनका धन्यवाद जिन्होंने हर जगह लोगों और व्यवसायों की मदद करने के लिए कड़ी मेहनत की। आपका योगदान अमूल्य रहा है और हम उनके आभारी हैं।

मारुति सुजुकी ने इग्निस की कीमत में किया इजाफा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

देश की प्रमुख ऑटो मेकर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने इग्निस की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। ऑटो कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इग्निस को एक अतिरिक्त सेफ्टी फीचर्स प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम और हिल होल्ड असिस्ट से लैस किया है। यह आगामी ई20 और रियल ड्राइविंग एमिशन नॉर्म्स के अनुरूप भी है। इससे इग्निस की कीमतों में 27,000 रुपए (एक्स-शोरूम- दिल्ली) तक बढ़ जाएंगी। नई कीमतें 24 फरवरी से लागू गई हैं। आपको बता दें कि मारुति सुजुकी ने पिछले महीने अपने सभी मॉडलों की कीमतों में बढ़ोतरी की थी। कंपनी ने गाड़ियों की कीमत में करीब 1.1 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। मारुति सुजुकी कीमत में बढ़ोतरी लागत के असर को कम करने और अप्रैल 2023 से लागू सख्त उत्सर्जन मानदंडों के मुताबिक मॉडल रेंज को अपडेट करने के लिए पहल की है। कंपनी मुद्रास्फीति और हाल के रेगुलेटरी जरूरतों को पूरा करने के दबाव में है। ऐसे में गाड़ियों की कीमतों को बढ़ाना जरूरी हो गया है। भारत में ऑटो इंडस्ट्री पर टैक्स कम करने की जरूरत है। साथ ही सेफ्टी फीचर्स बढ़ाने के बजाए यातायात नियमों का सख्ती से पालन होना चाहिए। चेयरमैन का कहना था कि सेफ्टी फीचर्स बढ़ाने से सिर्फ गाड़ियों के दाम बढ़ेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका 'ए' को 4-4 से बराबरी पर रोका

नयी दिल्ली । भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका 'ए' को शुक्रवार को यहां 4-4 की बराबरी पर रोक कर इस दौरे पर अपना अजेय अभियान जारी रखा। इस दौरे पर दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम के खिलाफ यह पहला मैच था। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका की अंडर-21 टीम को तीनों मैचों में मात दी थी। दक्षिण अफ्रीका का मौजूदा दौरा एशिया कप अंडर-21 के लिए टीम की तैयारी का हिस्सा है, जो आगामी एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफायर भी है।क्वानिता बोब्स (पहले और 31वें मिनट) और बियामका वुड (छठे मिनट) ने भारतीयों के खिलाफ मैच की शुरुआत में ही बढ़त बना ली थी लेकिन नीलम (सातवां मिनट) और दीपिका सीनियर (आठवां और 30वां मिनट) के मुकाबले में भारत की वापसी करायी। इससे पहले तरनप्रीत कौर (25 वां मिनट) और दीपिका ने गोल कर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। क्वानिटा बोब्स और टैरिन लोम्बार्ड के गोल की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे हाफ में भारत की बढ़त को खत्म किया और मैच बराबरी पर छूटा।

खराब समय में सिर्फ धोनी ही इकलौते व्यक्ति थे जिन्होंने मुझसे बात की: कोहली

पत्नी अनुष्का मेरी ताकत बनकर मेरे साथ रही

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दिग्गज बल्लेबाज और टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर जब वह खराब दौर से गुजर रहे थे, तब पूर्व सफल कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी इकलौते व्यक्ति थे, जिन्होंने उनसे बातचीत की थी। कोहली ने पिछले महीने चार-एकदिवसीय मैचों में तीन शतकीय पारी खेल अपनी पुरानी लय हासिल की। उन्होंने इससे पहले सितंबर 2022 में एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में शतक लगाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों के तीन साल के सूखे को खत्म किया था। कोहली और धोनी के बीच मजबूत रिश्ता है। कोहली की ये बातें इसका तस्दीक करती हैं। कोहली ने उनदिनारें अनुष्का मेरी सबसे बड़ी ताकत थी क्योंकि वह मेरे साथ रह रही थी और उसने बहुत करीब से देखा कि मैंने कैसा महसूस किया है... इस दौरान मेरे बचपन के कोच और परिवार के अलावा धोनी इकलौते व्यक्ति थे, जिन्होंने मुझसे संपर्क किया था। कोहली ने 2008 से 2019 के बीच 11 साल तक धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया है। उन्होंने धोनी को अपना हमेशा का 'कप्तान' बताया। कोहली ने कहा, उन्होंने मुझसे खुद संपर्क किया, क्योंकि धोनी से संपर्क करना काफी मुश्किल है। अगर मैं उन्हें किसी भी दिन फोन करता हूं, तब 99 प्रतिशत वह (फोन) नहीं उठा पाते हैं, क्योंकि वह फोन से दूर रहते है।'' उन्होंने कहा, इसके बाद उनकी तरफ से संपर्क किया जाना और वह भी दो बार (किया जाना), अच्छा रहा। उन्होंने मुझे समझाया था, ''जब आपसे मजबूत होने की उम्मीद की जाती है और आपको मजबूत व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, तब लोग यह पूछना भूल जाते हैं कि आप कैसे हैं?'' कोहली ने बताया, ''उनकी (धोनी की) बातों का मुझपर गहरा असर हुआ, क्योंकि मुझे हमेशा एक उस व्यक्ति के रूप में देखा गया है जो बहुत आत्मविश्वासी है, मानसिक रूप से बहुत मजबूत है, जो किसी भी परिस्थिति को सहन कर सकता है और रास्ता निकाल सकता है, साथ ही हमें रास्ता दिखा सकता है।''

इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, ''कभी-कभी, आप जो महसूस करते हैं वह यह है कि जीवन में किसी भी समय एक इंसान के तौर पर आपको कुछ कदम पीछे खींचने और यह समझने की जरूरत होती है कि आपकी खुद की भलाई किन चीजों से है।

हमारी भी इज्जत है, भारतीय टीम पाक नहीं आई तो हम भी वर्ल्ड कप खेलने भारत नहीं जाएंगे

-पीसीबी के पूर्व चेयरमैन रमीज राजा और मौजूदा प्रमुख नजम सेठी ने भारत को दी धमकी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

पाकिस्तान इस साल होने वाले एशिया कप की मेजबानी करेगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह के टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया को पाकिस्तान नहीं भेजने के फैसले के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। भारत के इनकार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में बौखलाहट पैदा हो गई है। पीसीबी के पूर्व चेयरमैन रमीज राजा और मौजूदा प्रमुख नजम सेठी ने भारत को धमकी दी है।

उन्होंने कहा कि टीम इंडिया एशिया कप खेलने पाकिस्तान नहीं आती है, तो भारत में इस साल के आखिर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की टीम भी शामिल नहीं होगी। बीसीसीआई को धमकी देने वालों की लिस्ट में अब कामरान अकमल का नाम भी शामिल हो गया है। पूर्व विकेटकीपर बैटर कामरान अकमल ने कहा पाकिस्तान की भी इज्जत है। अगर वे एशिया कप से बाहर होते हैं तो हमें भी भारत नहीं जाना चाहिए। पाकिस्तान टीम की सेलेक्शन कमेटी के मेंबर कामरान अकमल ने कहा अगर इंडिया एशिया कप में आने के लिए राजी नहीं है तो हमें 2023 वनडे वर्ल्ड कप खेलने के लिए वहां नहीं जाना चाहिए। कामरान ने कहा हमारी भी इज्जत है। हम भी वर्ल्ड चैंपियन रहे हैं। चैंपियन ट्राफी जीती है और सभी फॉर्मेट में शीर्ष पर भी रहे हैं। एशिया कप के वेन्यू को लेकर इस महीने की शुरुआत में बहरीन में हुई एशियन क्रिकेट काउंसिल की बैठक बेनतीजा रही। बीसीसीआई ने स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के दौरे के लिए उसे सरकार से मंजूरी नहीं मिलेगी। वहीं, पीसीबी का कहना है कि उसने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड समेत कई देशों के सफल दौरे आयोजित किए हैं, इसलिए टीम इंडिया को भी पाकिस्तान आना चाहिए। एशिया कप के लिए जिस नए फॉर्मूले पर विचार हो रहा है उसके तहत, भारतीय टीम अपने मैच यूएई में खेलेगी, जबकि बाकी देश पाकिस्तान जा सकते है। वहीं, भारत-पाकिस्तान का मैच भी यूएई में रखने का प्रस्ताव है। अगर दोनों मुल्क सेमीफाइनल या फाइनल में पहुंचते हैं, तो यह मैच भी यूएई में कराए जा सकते हैं।

डबल्यूआर मास्टर्स शतरंज - गुकेश और अरोनियन में होगा ख़िताबी मुक़ाबला

डूसेलड़फ ,जर्मनी (निकलेश जैन) विश्व के 10 बेहतरीन सुपर ग्रांड मास्टरों के बीच चल रहा डबल्यूआर मास्टर्स शतरंज अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुँच गया है और अंतिम राउंड में सयुंक्त बढ़त पर चल रहे भारत के युवा ग्रांड मास्टर डी गुकेश के पास खिताब जीतने का एक शानदार मौका होगा । गुकेश नें आठवे राउंड में पोलैंड के यान डूड़ा से बाजी ड्रॉ खेली जबकि उनके साथ बढ़त पर चल रहे दिग्गज खिलाड़ी यूएसए के लेवोन अरोनियन नें रूस के आन्द्रे एसीपेंकों से अंक बांटा और अंतिम राउंड में अब अरोनियन और गुकेश के बीच ही मुक़ाबला होना है और अगर गुकेश यह मैच जीते तो वह अपना पहला सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट जीत सकते है । आठवे राउंड में भारत के रमेशबाबू प्रज्ञानन्दा नें विश्व नंबर 2 यान नेपोमनिशी से ड्रॉ खेला और वह फिलहाल 3.5 अंक बनाकर आठवें स्थान पर चल रहे है ।

आईपीएल 2023 : 31 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस और सीएसके के बीच होगा ओपनिंग मुकाबला

नई दिल्ली । (एजेंसी)

इंडियन प्रीमियर लीग का शेड्यूल आ चुका है। 31 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच ओपनिंग मुकाबला होगा। सीनियर प्लेयर्स बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बिजी हैं तो बाकी खिलाड़ी बेंगलुरु में शिविर अटेंड कर रहे हैं। कंगारुओं के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले आईपीएल की तैयारियां शुरू होंगी। इस बीच आईपीएल 2023 से जुड़ा एक मजेदार फैक्ट भी सामने आया है। केएल राहुल जहां सबसे महंगे कप्तान हैं, जबकि धोनी की सेलरी सबसे ज्यादा है। बीता एक साल केएल राहुल के लिए भारी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। आईपीएल ऑक्शन में वह सबसे हॉट प्लेयर थे, जिन्हें हर टीम अपने साथ जोड़ने और कप्तान बनाने में लगी थी। पंजाब किंग्स छोड़ने के बाद उन्हें लखनऊ सुपरजायंट्स ने खरीदा और कप्तान बनाया। आईपीएल 2023 में केएल राहुल की फीस 17 करोड़ रुपए है।

आईपीएल में भले ही केएल राहुल का भाव ज्यादा हो। उनकी टीम अपने पहले ही सीजन में टॉप-4 तक पहुंची थी। राहुल का प्रदर्शन भी ठीक-ठाक ही रहा। उनके बल्ले से रन निकले थे, लेकिन उसके बाद से वह बुरे फॉर्म से गुजर रहे हैं। उनकी टीम में जगह को लेकर सवालिया निशान उठने लगे हैं। इस बार लीग राउंड में 70 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 18 डबल हेडर शामिल हैं। टूर्नामेंट अपने परिचित होम एंड अवे फॉर्मेट में वापस आ गया है, जिसमें सभी 10 दलों को सात मैच अपने घर पर और सात मुकाबले बाहर खेलने हैं। टूर्नामेंट

में हमेशा की तरह 2 ग्रुप ही हैं। ए में मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, केकेआर, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स हैं। ग्रुप बी में चेन्नई सुपर किंग्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, आरसीबी, गुजरात टाइटंस को रखा गया है।

सबसे महंगे 6 कप्तानों में सबसे ऊपर केएल राहुल (17 करोड़) है, दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा (16 करोड़), तीसरे नंबर पर हार्दिक पंड्या (15 करोड़), चौथे नंबर पर संजू सैमसन (14 करोड़), पांचवें नंबर पर श्रेयस अय्यर (12.25 करोड़) और छठे नंबर पर एमएस धोनी (12 करोड़) हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हेड ने कहा, भारतीय स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक रुख रहेगा

नई दिल्ली । बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट की पहले पारी में बढ़त के बावजूद ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हार मिली। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में आक्रामक रूख अपनाने का फैसला लिया, हालांकि यह रणनीति टीम पर उलटी पड़ी और ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरी पारी में मात्र 113 रनों पर पवैलियन लौट गई। दूसरे टेस्ट में चोटिल डेविड वार्नर की जगह ओपनिंग करने वाले ट्रेविस हेड ने भी आक्रामक रूख अपनाया, हालांकि वह 46 गेंदों में 43 रन बनाकर रविचंद्रन अश्विन की गेंद पर स्टंप आउट हुए थे। हेड ने तीसरे टेस्ट में भी भारतीय स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक रहने की बात कही है। हेड ने तीसरे टेस्ट में भारतीय स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक रवैया बनाए रखने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट तीन के दिन के अंदर हार का सामना करना पड़ा था और टीम रविवार को मैच खत्म होने के बाद यहीं रुकी रही। कोहनी में फ्रैक्चर के कारण सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर स्वदेश लौट गए हैं, इसके बाद एक मार्च से इंदौर में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में उस्मान ख्वाजा के साथ हेड पारी का आगाज करने वाले हैं। वह नागपुर में खेले गए श्रृंखला के पहले टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं थे। हेड ने कहा, यह कुछ ऐसा था जिसकी यहां आने के बाद मुझे उम्मीद नहीं थी। इसको लेकर काफी चर्चा हुई। इस पर सबके अलग-अलग मत हैं। मैं कोचिंग स्टाफ और चयनकर्ताओं का सम्मान करता हूं। मेरा उनके साथ काफी मजबूत रिश्ता है। उन्होंने कहा, हमारी टीम काफी मजबूत और एकजुट है। मैच के दौरान ऐसा समय होगा जब हमारी स्थिति मजबूत नहीं होगी लेकिन इससे निपटना होगा। आप जैसा चाहते है वैसी परिस्थियां नहीं होंगी उन्होंने कहा, '' हमारे लिए अगले दो सप्ताह में हालांकि यह चुनौती की होगा। हमें यह देखना होगा कि कैसे लय हासिल करे और फिर उस पर पकड़ बनाए। दर्शकों के भरे स्टेडियम में शोर के बीच खुद का समर्थन करना होगा।कप्तान पैट कमिंस अपनी बीमार मां के साथ रहने के लिए घर वापस चले गए हैं और तीसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। हेड ने कहा कि परिस्थितियों को देखते हुए कमिंस का ऑस्ट्रेलिया में रहना अधिक महत्वपूर्ण है।

अल्कराज और नॉरी रियो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

रियो डी जेनेरियो । बीते सप्ताह अर्जेंटीना ओपन के फाइनल में एक-दूसरे का सामना करने वाले कार्लोस अल्कराज और कैमरून नॉरी रियो ओपन के फाइनल में फिर से भिड़ने से एक जीत दूर है। रियो ओपन के गत विजेता स्पेन के अल्कराज ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दुसान लाजोविच को शिकस्त दी। सेमीफाइनल में स्पेन के इस खिलाड़ी के सामने निकोल्स जैरी की चुनौती होगी जिन्होंने सेबस्टियन बैज को हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त नॉरी ने बोलिविया के ह्यूगो डेलियन को हराया। ब्रिटेन के इस खिलाड़ी को अंतिम चार में बर्नाबे जपाटा मिरालेस से भिड़ना होगा। मिरालेस ने स्पेन के हमवत खिलाड़ी अल्बर्ट रामोस-विनोलास को मात दी।

हमने बराबरी की टक्कर दी और हमारा प्रदर्शन भारत के बराबर ही रहा: ग्लेन मैक्सवेल

ऑस्ट्रेलिया की शर्मनाक हार पर ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल ने दी सफाई

मेलबर्न । (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल का मानना है कि भारत के खिलाफ दिल्ली टेस्ट की दूसरी पारी को छोड़कर उनकी टीम का प्रदर्शन पहले दो टेस्ट मैचों में शानदार रहा है। दिल्ली टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की टीम मजबूत स्थिति में थी, लेकिन मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में महज 52 रन के अंदर नौ विकेट गंवाकर टीम बैकफुट पर आ गई। मीडिया के अनुसार उन्होंने बहुत जज्बा दिखाया है। उस एक सत्र के अलावा वे शानदार रहे हैं। वह बहुत मुश्किल जगह (टेस्ट मैच के लिए) है, वहां खेलना आसान नहीं है। हमारे लिए वहां की परिस्थिति काफी अलग है। इस दौरे की एक दिवसीय श्रृंखला के लिए टीम में वापसी करने वाले मैक्सवेल ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि हमने बराबरी की टक्कर दी और हमरा प्रदर्शन भारत के बराबर ही रहा है। टीम ने काफी हौसला दिखाया।

ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा खिलाड़ियों में स्टीव स्मिथ के अलावा मैक्सवेल एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने भारत में टेस्ट शतक बनाया है। पैर में फ्रैक्चर के कारण 5 महीने तक खेल से दूर रहे मैक्सवेल ने कहा कि यह बस थोड़ा और जज्बा दिखाने के बारे में है।

भारत के खिलाफ जब हम मैच में हावी होंगे तो हमें उन पलों पर और अधिक देर तक पकड़ बनानी होगी। इस हरफनमौला ने कहा कि तीसरे दिन (दिल्ली में) की शुरुआत में मुझे लगा कि हम मैच में बहुत आगे हैं और टेस्ट में किसी भी समय भारत से आगे रहना एक संकेत है कि हम सही चीजों को सही तरीके से कर रहे हैं। इन चीजों को थोड़ी और देर तब बनाये रखने की कोशिश करनी होगी।

मैक्सवेल को 17 मार्च से भारत में शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। पिछले नवंबर में एक जन्मदिन की पार्टी में घायल होने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने कहा कि मैं पिछले कुछ समय से लगातार चयनकर्ताओं के संपर्क में हूं और यह शायद उतनी तेजी से नहीं हुआ, जितना मैं चाहता हूं। पिछले साल विश्व कप के बाद मैं काफी थकान महसूस कर रहा था। हालांकि, खेल से दूर होना अच्छा नहीं होता, लेकिन मुझे जरूरी विश्राम मिला।

दिल्ली टेस्ट की दूसरी पारी को छोड़कर हमारी टीम का प्रदर्शन बेहतर: मैक्सवेल

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल का मानना है कि भारत के खिलाफ दिल्ली टेस्ट की दूसरी पारी को छोड़कर उनकी टीम का प्रदर्शन पहले दो टेस्ट मैचों में बेहतर रहा है। दिल्ली टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की टीम मजबूत स्थिति में थी लेकिन मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में महज 52 रन के अंदर नौ विकेट देकर टीम बैकफुट पर आ गई। मैक्सवेल ने कहा, ''मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत जज्बा दिखाया है। उस एक सत्र के अलावा मुझे लगा कि वे शानदार रहे है। वह बहुत मुश्किल जगह (टेस्ट मैच के लिए) है। वहां खेलना आसान नहीं है। हमारे लिए वहां की परिस्थिति काफी अलग है। इस दौरे की वनडे सीरिज के लिए टीम में वापसी करने वाले मैक्सवेल ने कहा, मुझे ऐसा लगता है, हमने बराबरी की टक्कर दी और हमारा प्रदर्शन भारत के बराबर ही रहा है। टीम ने काफी हौसला दिखाया। ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा खिलाड़ियों में स्टीव स्मिथ के अलावा मैक्सवेल एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने भारत में टेस्ट शतक बनाया है। पैर में फ्रैक्चर के कारण पांच माह तक खेल से दूर रहे मैक्सवेल ने कहा, यह बस थोड़ा और जज्बा दिखाने के बारे में है।

इंग्लैंड सात विकेट लेकर टेस्ट सीरीज में अपनी स्थिति की मजबूत

न्यूजीलैंड पर मंडराया फॉलोऑन का संकट

नई दिल्ली । इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज के दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड टीम ने पहली पारी में जो रूट और हैरी ब्रूक के दमदार शतकीय पारी की बदौलत 8 विकेट के नुकसान पर 435 रन बनाए। इसके जवाब में उतरी न्यूजीलैंड टीम दूसरे दिन के खेल में कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। जेम्स एंडरसन और जैक लीच ने कीवी टीम के बल्लेबाजों फ्लॉप नजर आए। दूसरे दिन स्टंप्स के समय न्यूजीलैंड का स्कोर 42 ओवर में 7 विकेट पर 138 रन रहा। फिलहाल इंग्लैंड टीम ने मजबूत पकड़ बना रखी है। न्यूजीलैंड टीम 297 रनों से पीछे चल रही है। बता दें कि इंग्लैंड टीम की तरफ से बल्लेबाजी करने आई सलामी जोड़ी जैक क्रॉली और बेन डकेट ने खराब शुरुआत की। दोनों बल्लेबाज सस्ते में पवेलियन लौटे, लेकिन जो रूट और हैरी ब्रूक ने बल्ले से ताबड़तोड़ रन बरसाते हुए दमदार शतक जड़े। रूट ने नबाद 153 रन बनाए, तो हैरी ने 186 रनों की तूफानी पारी खेली थी। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाया और इंग्लैंड टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 435 रन बनाए। न्यूजीलैंड की तरफ से सबसे ज्यादा 4 विकेट मैट हेनरी ने लिए।

इंग्लैंड टीम के गेंदबाजों के आगे बिखरी कीवी टीम

खेल के दूसरे दिन इंग्लैंड टीम के गेंदबाजों के आगे कीवी टीम के बल्लेबाज दूसरे दिन के खेल में फिसड्डी साबित हुए। बता दें कि 436 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम के सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटे। इसके बाद केन विलियमसन भी 5 गेंदों पर महज 4 रन बनाकर सस्ते में अपना विकेट गंवा बैठे। विल यंग के बल्ले से 2 रन निकले। हालांकि, टॉम लैथम और हेनरी निकोल्स के बीच 39 रन की साझेदारी हुई, लेकिन वो भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और इस तरह से 42 ओवर में टीम 7 विकेट के नुकसान पर 138 रन बना पाई। एंडरसन और लीच को 3-3 विकेट मिला और स्टुअर्ट ब्रॉड ने 1 विकेट झटक दिया। टिम साउदी (23) और टॉम ब्लंडेल (25) नाबाद रहे।

ऐसा लगा कि हरमनप्रीत कर रही थीं जॉगिंग: डायना एडुल्जी

हरमनप्रीत कौर के रन आउट होने पर भड़की पूर्व कप्तान, जमकर लगाई फटकार

नई दिल्ली । (एजेंसी)

हरमनप्रीत की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम को टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में भारतीय टीम की खराब फील्डिंग के चलते ऑस्ट्रेलियाई टीम के बल्लेबाजों ने 172 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय महिला टीम की शुरुआत ही खराब नजर आई, जहां दोनों ओपनर्स सस्ते में अपना विकेट गंवाते हुए पवेलियन लौटे। इस मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर टीम की पारी को संभाला और भारत को मैच में वापस ला दिया था, लेकिन 15वें ओवर के बाद हरमनप्रीत कौर रनआउट हो गईं।

इसी कड़ी में भारत के पूर्व कप्तान डायना एडुल्जी ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की जमकर क्लास लगाते हुए एक बयान दिया है। दरअसल, भारतीय महिला टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में 5 रन से हार झेलनी पड़ी। बता दें कि 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय महिला टीम की शुरुआत बेहद खराब नजर आई, जहां हरमनप्रीत कौर ने टीम की पारी को संभाला और रन का पीछा करने में अहम योगदान दिया, लेकिन 15वें ओवर में दूसरे रन के लिए वापस आते समय हरमनप्रीत का बल्ला जमीन में फंस गया और एलिसा हीली ने बिना कोई देरी के गिल्लियां बिखेरकर उन्हें रन आउट कर दिया।

इसी कड़ी में अब भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान डायन एडुल्जी ने हरमनप्रीत कौर की जमकर क्लास लगाते हुए एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह सोच रही हैं कि बल्ला फंस गया है, लेकिन अगर आप दूसरा रन देखेंगे तो ऐसा लग रहा था कि वह जॉगिंग कर रही थीं।

जब आप जानते हैं कि आपका विकेट इतना महत्वपूर्ण है तो आप आराम से क्यों दौड़ रहे हैं? भारतीय टीम को जीत दिलाने में आपका खेल में बने रहना काफी जरूरी था। उन दो रनों को बचाने के लिए पेरी की डाइव देखें। यही पेशेवर क्रिकेट है।

हरमनप्रीत का रन आउट होना सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट

बता दें कि कप्तान हरमनप्रीत का रन आउट होना मैच का सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट रहा। हरमनप्रीत के आउट होने के बाद जेमिमा, ऋचा, दीप्ति हर कोई रन बनाने में नाकाम रहा और अंत में टीम को हार का सामना करना पड़ा। एडुल्जी ने हरमनप्रीत की आलोचना करते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर की दी गई एक सलाह को याद किया। उन्होंने कहा कि वो अंत तक हार नहीं मानते हैं और हम लड़ने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। आप हर बार आखिरी समय पर नहीं हार सकते। वह दूसरे रन पर आराम से भाग रहीं थीं।

भज्जी ने कहा, केएल को बाहर कर गिल को मौका दे, जडेजा को उपकप्तान बनाए

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया से 2-0 से आगे है। सीरीज का तीसरा मैच 1 मार्च को इंदौर में होगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक निराश किया है, इसके बाद उनकी हार से भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल का टिकट मिलेगा। लेकिन इससे पहले टीम को अपना उप-कप्तान चुनना है, क्योंकि बाकी दो बचे मैच के लिए सेलेक्टर ने कोई उप-कप्तान नहीं चुना। वहीं पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने तीसरे टेस्ट के लिए उप-कप्तान चुना, साथ ही कहा कि केएल राहुल प्लेइंग इलेवन से बाहर हो जाएंगे। हरभजन ने कहा, भारत सीरीज में 2-0 से आगे है। भारतीय टीम ने घरेलू मैदानों का फायदा उठाया है। राहुल की जगह शुबमन गिल आ रहे हैं। पिछले दो तीन महीनों से उन्होंने जो खेल दिखाया है, मुझे लगता है गिल को मौका मिल जाना चाहिए। उसके अलावा मुझे टीम में कोई बदलाव होता नजर नहीं आ रहा है। टीम तीन स्पिनरों के साथ है।वहीं उप-कप्तान को लेकर हरभजन ने कहा, आपका उप-कप्तान वहां खिलाड़ी होना चाहिए जो आपकी प्लेइंग इलेवन में खेले ही खेले। चाहे आप फिर भारत में मैच खेल रहे हों या फिर विदेश में। किसी भी कंडिशन में उप-कप्तान को प्लेइंग इलेवन में होना चाहिए। मुझे लगता है कि रविंद्र जडेजा हैं जिन्हें उप-कप्तान बनाना चाहिए। उन्हें अधिक जिम्मेदारी दीजिए। वहां लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सीनियर हैं। बल्लेबाजी गेंदबाजी में उनका कद ऊंचा है। ऑस्ट्रेलिया के लिए करो या मरो जैसा मैच है। उनके कई सीनियर खिलाड़ी विदेश लौट चुके हैं। वहीं कप्तानी स्टीव स्मिथ को सौंपी गई है, क्योंकि पैट कमिंस भी निजी कारण वापस घर लौट गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ‘‘सिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?
सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं।’’
राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ‘‘रेत में सोना! यह कैसे किया?
सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ‘‘हुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।
राजा ने चौंकते हुए कहा, ‘‘क्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?
सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।
राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।
इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।
राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।
सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।
देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।
इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।
इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ‘‘सूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।
हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।
सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?
राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

अंतरराष्ट्रीय शोध टीम ने खोजी कछुए की नई प्रजाति

एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर जर्मनी के सेनकेनबर्ग के वैज्ञानिक यूवे फ्रिट्ज ने आनुवांशिक विश्लेषण के आधार पर कछुए की एक नई प्रजाति के बारे में बताया है। अब तक माना जाता था कि 'जीनस चेलुस' कछुए की केवल एक ही प्रजाति है। अध्ययन में कहा गया है कि उन जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिनको अक्सर अवैध पशु व्यापार में बेच दिया जाता है। इस अध्ययन को साइंटिफिक पत्रिका मॉलिक्युलर फाइटोलेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित किया गया है।

इस प्रजाति का नाम माता-माता बताया गया है, जो पानी के नीचे कीचड़ में छिपे रहते है, इनकी लंबाई 53 सेंटीमीटर तक होती है। ये शैवाल से ढकी चट्टानों की तरह दिखते हैं। लेकिन जब कोई शिकार करने लायक जानवर सामने आता है, तो कछुआ उसे अचानक अपना बड़ा मुंह खोलकर उसे चूसकर पूरा निगल जाता है। ड्रेसडेन में सेनकेनबर्ग प्राकृतिक इतिहास संग्रह के प्रोफेसर डॉ.यूवे फ्रिट्ज बताते हैं यद्यपि ये कछुए अपने विचित्र रूप और असामान्य खाने के व्यवहार के कारण व्यापक रूप से जाने जाते हैं, लेकिन उनकी विविधता और आनुवांशिकी के बारे में बहुत कम जानकारी है। फ्रिट्ज कहते हैं अब हमने यह मान लिया कि इस कवचवाले सरीसृप की केवल एक प्रजाति है जो पूरे दक्षिण अमेरिका में व्यापक रूप से फैली हुई है।
लेकिन ऐसी प्रजातियां, जिन्हें लुप्तप्राय नहीं माना जाता है, वे आश्चर्यजनक हो सकती हैं। आनुवंशिक विश्लेषण के आधार पर, उन्हें अक्सर दो या अधिक स्वतंत्र प्रजातियों में विभाजित किया जाता है। कई अध्ययनों से पता लगा है कि माता-माता कछुए अमेजन बेसिन की तुलना में ओरिनोको नदी में अलग दिखते हैं। ड्रेसडेन के वैज्ञानिक कहते हैं इस अवलोकन के आधार पर, हमने इन जानवरों के जेनेटिक बनावट पर बारीकी से नजर रखने का फैसला किया है।
75 डीएनए नमूनों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने बताया कि पिछली मान्यताओं के विपरीत, माता-माता कछुओं की आनुवंशिक और दिखने में भी भिन्न-भिन्न दो प्रजातियां हैं। नई प्रजातियां चेलुस ओरिनोकेन्सिस ओरिनोको और रियो नीग्रो बेसिन में निवास करती हैं, जबकि चेलुस फिम्ब्रिआटा के रूप में जानी जाने वाली प्रजाति विशेष रूप से अमेजॅन बेसिन तक सीमित है।
अध्ययन के अनुसार, लगभग 1 करोड़ 30 लाख साल पहले दोनों प्रजातियां मियोसीन के दौरान विभाजित हो गईं थी। इस अवधि के दौरान, पूर्व अमेजॅन-ओरिनोको बेसिन में जानी पहचानी दो नदी घाटियां अलग-अलग हो गई थी। कई जलीय जीवों की प्रजातियां इस तरह स्थान के आधर पर अलग हो गईं और इन्होंने आनुवंशिक रूप से फैलना शुरू कर दिया।
नई प्रजातियों के विवरण में भी माता माता के संरक्षण की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। आज तक, इस प्रजाति के व्यापक रूप से फैलने के कारण इन्हें लुप्तप्राय नहीं माना गया था। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमारे परिणाम बताते हैं कि, दो प्रजातियों में विभाजित होने के कारण, प्रत्येक प्रजाति की जनसंख्या आकार पहले की तुलना में छोटी हुई है।
इसके अलावा, हर साल इन विचित्र दिखने वाले हजारों जानवरों का अवैध व्यापार होने से इनका जीवन समाप्त हो रहा हैं।
हालांकि इन जानवरों के अवैध व्यापार का पता लगने पर अधिकारियों द्वारा इन्हें जब्त भी किया जाता है। बोगोटा के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया के प्रोफेसर और प्रमुख अध्ययनकर्ता मारियो वर्गास-रामिरेज कहते है कि इससे पहले बहुत देर हो जाए, हमें इन आकर्षक जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

दुनिया की रहस्यमयी फुन्दूजी झील

दुनिया में लाखों की संख्या में झीलें हैं, कुछ झीलें ऐसा ही जिनका रहस्य आज तक इंसान नहीं जानता.कुछ झीलों काफी डारवनी भी है.आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं.कहा जाता है कि इस झील का पानी जो भी पी ले वो जिंदा नहीं बचता है और जल्द ही उसकी मौत हो जाती है.यह रहस्यमयी झील दक्षिण अफ्रीका के लिंपोपो प्रांत में है. इसे फुन्दूजी झील के नाम से जाना जाता है.स्थानीय लोगों के अनुसार, किंवदंती है कि इस जगह से प्राचीन काल में एक कोढ़ी व्यक्ति जो कारी लंबा सफर करके यहां आया था, उसे लोगों द्वारा भोजन और आश्रय नहीं दिया गया. कहा जाता है कि इसके बाद उस व्यक्ति ने लोगों को श्राप दिया और झील में प्रवेश किया और फिर गायब हो गया.

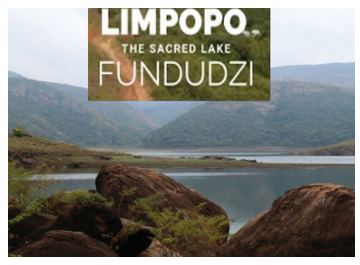

कहा जाता है कि झील के अंदर से आज भी डूबे हुए लोगों के रोने, ड्रम बजने की आवाजें आती रहती हैं. स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पहाड़ों पर मौजूद इस झील की रक्षा एक विशालकाय अजगर करता है.इस अजगर को प्रसन्न करने के लिए हर साल वेन्दा आदिवासी एक नृत्य उत्सव का आयोजन करतें हैं, जिसमें कुवारी लड़कियां नाचती हैं.कहा जाता है कि झील प्राचीन काल में भूस्खलन के कारण बनी थी जिसने मुटाली नदी के प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया था, और अब यह एक रहस्य है कि नदी का पानी बहुत साफ है, लेकिन ऐसा क्या है कि जो भी इसके पानी को पीता है उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाती है. जानकारी के अनुसार, झील के पानी के रहस्य को जानने की कई कोशिशें हुईं, हालांकि जांचकर्ता हर बार विफल रहे. कहा गया कि 1946 में एंडी लेविन नाम के एक व्यक्ति को झील के पानी की सच्चाई का पता लगाने के लिए यहां आया था.उसने इस झील से थोड़ा पानी लिया और झील के आस-पास के कुछ पौधे लिए और चल दिया. लेकिन वो थोड़ी देर ही चला था कि वो रास्ता भटक गया.एंडी लेविन तब तक रास्ता भटकते रहे जब तक उन्होंने पानी और पौधे नहीं फेंक दिए थे. हालांकि, इस घटना के कुछ दिनों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई थी.
आज तक किसी को इस बात का पता नहीं चला है कि आखिर इस झील में ऐसा क्या है कि इसका पानी पीने के बाद व्यक्ति कि मौत हो जाती है.कुछ लोगों का मानना है कि इस झील के पानी में कोई खतरनाक जहरीली गैस मिली हो सकती है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियां

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहा पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है.लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि. अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है. जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है. अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है :

माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2. दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया) अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ।इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गांवो की तरफ भी पलायन कर रहे हैं.हलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं व उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया . जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं.प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्विटर ने अपनी आंतरिक संचार प्रणाली स्लैक को बंद किया

सैन फ्रांसिस्को । ट्विटर ने अपनी आंतरिक संचार प्रणाली स्लैक को बंद कर दिया है। कर्मचारियों ने अनाम वर्कप्लेस चैट ऐप ब्लाइंड पर पोस्ट किया है कि कंपनी ने अपने स्लैक बिलों का भुगतान बंद कर दिया है। इस कदम से कर्मचारी हैरान रह गए और शुक्रवार को पूरे दिन किसी ने काम नहीं किया। कर्मचारियों ने ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर जीरा तक पहुंच खो दी है, जो इंजीनियरों को कोड भेजने और नई सुविधाओं पर प्रगति की निगरानी करने की अनुमति देता है। जबकि कुछ कर्मचारियों ने ईमेल पर संचार किया, कुछ ने सिर्फ एक दिन की छुट्टी लेने का फैसला किया और अन्य ने दो दिन की छुट्टी ली। जीरा एक्सेस को बाद में बहाल कर दिया गया, लेकिन नियमित रखरखाव के लिए स्लैक डाउन नहीं था। एक कर्मचारी के हवाले से कहा गया है कि नियमित रखरखाव जैसी कोई चीज नहीं है। स्लैक के प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि कंपनी ने ट्विटर के कार्यक्षेत्र या उपयोगकर्ता खातों को निष्क्रिय नहीं किया है। रखरखाव के लिए स्लैक शायद ही कभी सेवाओं को बंद करता है। एक ट्विटर कर्मचारी ने लिखा, हमने अपने बिल का भुगतान नहीं किया। अब हर कोई मुश्किल से काम कर रहा है। ट्विटर ने तुरंत रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इस बीच, शुक्रवार को कई उपयोगकर्ताओं के लिए प्लेटफॉर्म कुछ मिनटों के लिए बंद रहा और लगभग 55 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं ने मोबाइल से प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में समस्या की शिकायत की।

ब्राजील में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 54 हुई

ब्राजीलिया । ब्राजील के साओ पाउलो राज्य के तट पर भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। बचाव दल ने अब भी मिट्टी के नीचे दबे लोगों की तलाश में अभियान चला रखा है। साओ पाउलो राज्य सरकार ने अपने बयान में कहा है कि बचाव दल ने मृतकों में 13 नाबालिगों की पहचान की है। साओ सेबस्टियाओ, उबातुबा, कारागुअतुतुबा, इल्हाबेला और बर्टिओगा की नगर पालिकाएं पिछले सप्ताहांत की बारिश से सबसे अधिक प्रभावित हुईं हैं। बारिश से तट के साथ सेरा डो मार श्रृंखला में भूस्खलन हुआ, जहां प्रमुख पर्यटक रिसॉर्ट हैं। भूस्खलन से लगभग 4 हजार लोग बेघर हो गए। आपदा साओ सेबस्टियाओ की नगर पालिका में बलिया और कंबुरी के विशेष समुद्र तटों के बगल में स्थित विला डो सही में केंद्रित है। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने इस सप्ताह साओ सेबस्टियाओ मेयर के कार्यालय में उन लोगों के लिए जोखिम वाले क्षेत्रों के बाहर समतल क्षेत्रों में आवास के निर्माण का प्रस्ताव रखा, जिन्होंने अपना घर खो दिया है।

राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने दहल सरकार से समर्थन वापस ले लिया

काठमांडू । नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता अभी बनी हुई है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने पुष्प कमल दहल के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार से समर्थन वापस ले लिया। साथ ही सरकार से बाहर निकलने का फैसला किया। नेपाली कांग्रेस ने राष्ट्रपति चुनाव में वरिष्ठ नेता राम चंद्र पौडेल को मैदान में उतारने का फैसला किया। पौडेल को 8 दलों के नए गठबंधन का समर्थन प्राप्त होगा। 78 साल के पौंडेल का अगला राष्ट्रपति बनना लगभग तय माना जा रहा है। वहां विद्या देवी भंडारी की जगह लेने वाले हैं। नेपाल के आठ राजनीतिक दलों ने राष्ट्रपति पद के लिए नेपाली कांग्रेस के नेता पौड्याल का समर्थन करने का फैसला किया। समर्थन करने वाले आठ राजनीतिक दलों में नेपाली कांग्रेस, सीपीएन–माओवादी, सीपीएन–यूनीफाइड सोशलिस्ट, राष्ट्रीय जनता पार्टी, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनमोर्चा, नागरिक उन्मुक्ति पार्टी और जनमत पार्टी शामिल हैं। सभी दलों ने संयुक्त बैठक में नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार को राष्ट्रपति पद के लिए वोट देने का फैसला किया।

गुरुनानक ने न तो कलमा पढ़ा था, न ही इस्लाम को कुबूला, तो वे अच्छे इंसान नहीं हो सकते : पाकिस्तानी मौलवी

–मौलाना के जहरीले बोल पाकिस्तानी मौलवी के जहरीले बोल की क्लिप ट्विटर पर हो रही वायरल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के एक मौलवी की क्लिप इस समय ट्विटर पर वायरल हो रही है। यह मौलवी इस क्लिप में सिखों के गुरु नानक के बारे में बातें कह रहे हैं। क्लिप में मौलवी गुरु नानक और इस्लाम के बारे में कई बातें कह रहे हैं। मौलवी के इस वीडियो क्लिप को कई लोग खालिस्तानियों के समर्थकों के मुंह पर तमाचे की तरह करार दे रहे हैं। मौलवी की मानें तो गुरुनानक अच्छे इंसान नहीं हो सकते हैं, क्योंकि उन्होंने न तो कलमा पढ़ा था और न ही इस्लाम को कुबूल किया था। यह मौलवी इस क्लिप में कह रहे हैं, कुछ लोग मुझे कहते हैं कि गुरुनानक, बाबा फरीद से बहुत प्यार करते थे। मैं उनसे कहता हूं कि अगर वह बाबा फरीद से इतना प्यार करते थे तो फिर कलमा क्यों नहीं पढ़ा। एक ही दलील देते हैं कि गुरुनानक, बाबा फरीद से बड़ा प्यार करने से कोई मुसलमान नहीं हो जाता। सच्चा मुसलमान वही है जो कलमा पढ़े।

शेख फरीद पंजाबी भाषा के पहले तो गुरु नानक दूसरे नंबर के थे कवि

गुरुनानक देव का पाकिस्तान से काफी गहरा नाता रहा है। उनका जन्म नानकाना साहिब में हुआ था और यह जगह पाकिस्तान में है। वहीं उन्होंने सितंबर 1539 में पाकिस्तान के करतारपुर साहिब में समाधि ली थी। यहीं पर अब करतारपुरसाहिब गुरुद्वारा है जहां पर हर साल भारी संख्या में भारत से भी श्रद्धालु जाते हैं। जिन बाबा फरीद का इस क्लिप में जिक्र है उनका गुरुनानक देव पर काफी गहरा प्रभाव बताया जाता है। कहा जाता है कि गुरुनानक ने कई ऐसे प्रतीकों का प्रयोग किया था जो बाबा फरीद से भी जुड़े थे। पंजाबी साहित?य के मुताबिक गुरु नानक को दूसरा कवि माना जाता है। कहते हैं कि गुरु नानक की कविताओं से बाबा फरीद को गुरुग्रंथ साहिब को समझने में मदद मिली थी। बाबा फरीद का असली नाम शेख फरीद था और उन्हें पंजाबी भाषा का पहला कवि माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि उनका जन्म मुल्तान के करीब कोठेवाल में हुआ था।

इजरायल ने फिर साबित की डिफेंस तकनीक में अपनी महारत, बनाया आधुनिक हथियारों से लैस टैंक मर्कावा

तेल अवीव । इजरायल वह देश है जिसकी डिफेंस टेक्नोलॉजी का लोहा दुनिया मानती है। इस देश ने अब एक ऐसा टैंक तैयार कर लिया है, जो अमेरिका और यूरोप पर भारी पड़ने वाला है। यूरोप और अमेरिका के टैंक सन् 1970 के जमाने की डिजाइन पर बने हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि इजरायल का यह नया टैंक इन पुराने पड़ चुके हथियारों पर भारी पड़ेगा। इस नए टैंक के साथ ही इजरायल डिफेंस टेक्नोलॉजी के लिहाज से कहीं ज्यादा आगे निकल गया है। इस नए इजरायली टैंक का नाम मर्कवा है और इसे टैंक टेक्नोलॉजी का बाप करार दिया जा रहा है। रक्षा विशेषज्ञों इसे पुराने इजरायली टैंकों की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर करार दिया है। इस टैंक में ऐसे मॉर्डन और इंटीग्रेटेड हथियार हैं, जिसकी वजह से यह दुश्मन पर भारी पड़ेगा। इसके साथ ही इसकी ऑपरेशनल क्षमता और इसका 360 डिग्री एक्टिव डिफेंस सिस्टम इसे अन्य के मुकाबले काफी ताकतवर बनाता है। इन खूबियों की वजह से ही इजरायली टैंक अपने सभी प्रतिद्वंदियों से आगे हैं। यहां तक कि रूस का नया टैंक टी–14 अरमाता भी इसके आगे फेल है। मर्कावा का मॉडल नेम बराक है। हिब्रू में बराक का मतलब होता है बिजली। मर्कावा टैंक को इस मकसद से तैयार किया गया है कि यह क्रू की रक्षा कर सके। यही इसका प्राथमिक लक्ष्य है और बाद में दुश्मन पर हमला करे। मर्कावा का पांचवां संस्करण सबसे एडवांस्ड है। इसमें रडार सिस्टम, ऑप्टिकल वॉर्निंग सिस्टम, कैमरा और बाकी सेंसर इसे सुरक्षा के लिहाज से नंबर वन बनाते हैं। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक टैंक के सेंसर और डिजिटल प्रोसेसिंग भी वॉरजोन में बाकी टैंकों और हथियारों के साथ आपस में जुड़े रहते हैं। इस वजह से मर्कवा वी नेटसेंट्रिक क्षमताओं वाला पहला टैंक बन गया है। इस टैंक को यूरोप और अमेरिका के टैंकों की तुलना में बेहतर बताया जा रहा है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका और यूरोप के टैंक पर अगर दुश्मन निशाना लगाता है तो क्रू के बचने की कोई संभावना नहीं होती है। जबकि मरकावा टैंक में ऐसा नहीं है।

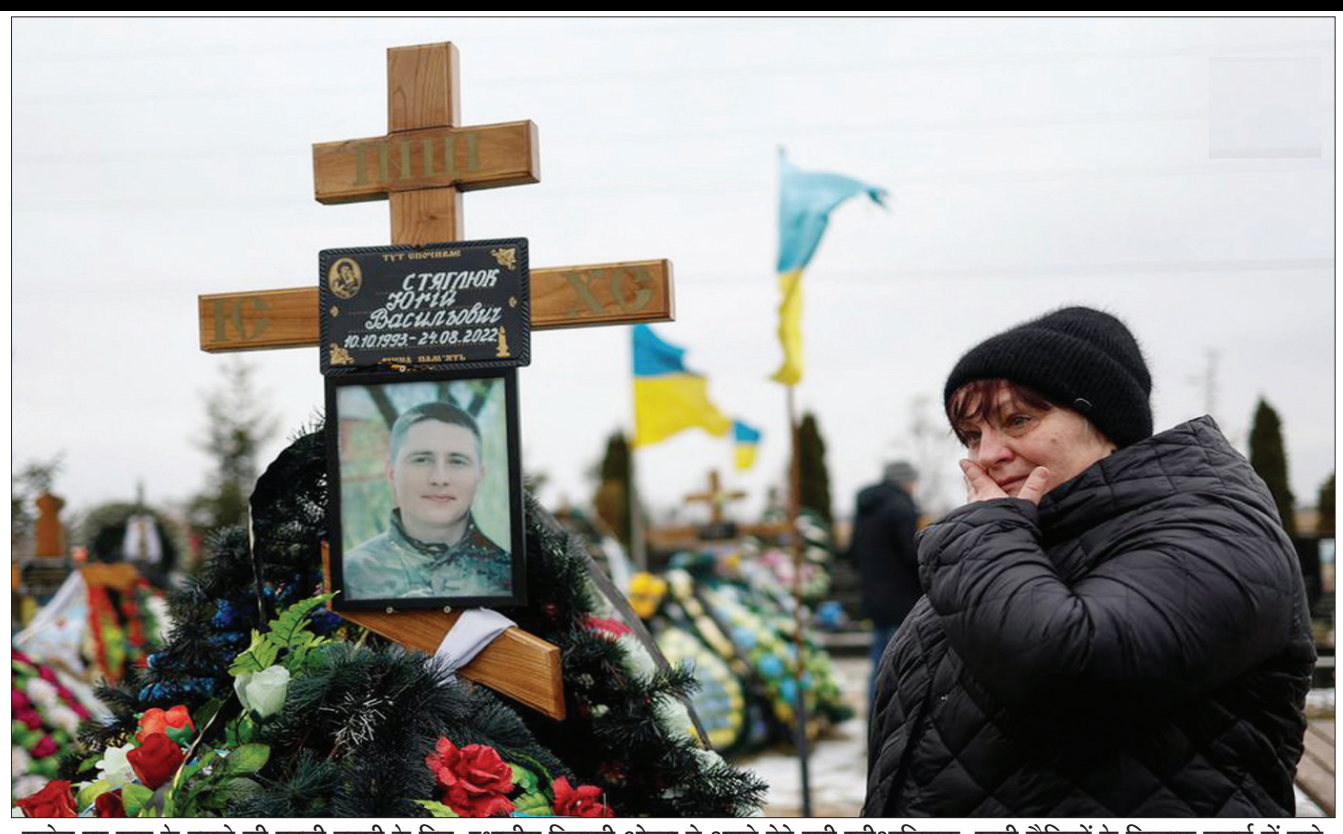

यूक्रेन पर रूस के हमले की पहली बरसी के दिन, स्थानीय निवासी ओल्हा ने अपने बेटे यूरी स्टीआलियुक, रूसी सैनिकों के खिलाफ लड़ाई में मारे गए यूक्रेनी सेवा सदस्य, की कब्र पर जाकर दुआ की।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय कांसुलेट पर खालिस्तान समर्थकों ने किया हमला, हिंदू मंदिरों में की तोड़फोड़

मेलबर्न । भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद, हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की गई और ब्रिसबेन में भारतीय वाणिज्य दूतावास के पास खालिस्तानी झंडे दिखाई दिए। खालीस्तान समर्थकों ने ब्रिस्बेन में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला किया और ऑफिस में अपना झंडा लगा दिया। हाल के दिनों में ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय पर कट्टरपंथियों के हमले तेजी से बढ़े हैं। ब्रिस्बेन में भारत की वाणिज्य–दूत अर्चना सिंह को 22 फरवरी को कार्यालय से पास खालिस्तान का झंडा मिला। उन्होंने घटना के बारे में तुरंत क्वींसलैंड पुलिस को सूचित किया। अर्चना सिंह ने कहा पुलिस हमें सुरक्षित रखने के लिए इलाके की निगरानी कर रही है। हमें पुलिस अधिकारियों पर पूरा भरोसा है। 21 फरवरी को हुई यह घटना दो हिंदू मंदिरों को खालिस्तानी समर्थकों से धमकी भरे फोन आने के कुछ ही दिनों बाद आई है। एक फोन कॉल पर ब्रिस्बेन में गायत्री मंदिर के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने और जनमत संग्रह का समर्थन करने के लिए कहा गया। इससे पहले, मेलबर्न में काली माता मंदिर को इस हफ्ते एक धमकी भरा फोन आया था, जिसमें धार्मिक आयोजन रद्द करने या परिणाम भुगतने के लिए कहा गया था।

उत्तर कोरिया में गहराया खाद्य संकट, भूख से हो रही मौतें

– अधकारियों ने कहा– अभी नहीं पड़ा अकाल

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया में कोरोनाकाल के बाद से खाद्य संकट गहराता जा रहा है। इस बात की अटकलें एक बार फिर तेज होने लगी हैं, क्योंकि देश के शीर्ष नेता एक सही कृषि नीति तैयार करने के महत्वपूर्ण और तत्काल कार्य पर चर्चा करने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार उत्तर कोरियाई क्षेत्र में एक बड़ी संख्या भुखमरी का शिकार हो गई हैं, लेकिन इसको लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि यह कोई अकाल का संकेत नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि आगामी सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की बैठक का उद्देश्य उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के समर्थन को बढ़ाना है, क्योंकि वह अमेरिका के नेतृत्व वाले दबाव और प्रतिबंधों की अवहेलना में अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। फरवरी के अंत में वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति की एक विस्तृत बैठक होने वाली है। इस बैठका के एजेंडे की जानकारी नहीं है, लेकिन पार्टी के शक्तिशाली पोलित ब्यूरो ने पहले कहा था कि कृषि विकास में आमूलचूल परिवर्तन को गतिशील रूप से बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ की आवश्यकता है। उत्तर कोरिया में सटीक स्थिति जानना मुश्किल है, क्योंकि महामारी के दौरान उसने अपनी सीमाओं को लगभग बंद रखा था। 1990 के दशक के मध्य में एक अकाल के कारण लाखों लोगों के मारे जाने के बाद से भोजन की कमी और आर्थिक कठिनाइयां बनी हुई हैं। 2011 के अंत में नेता के रूप में अपने पिता से पदभार ग्रहण करने के बाद अपने पहले सार्वजनिक भाषण में किम ने कसम खाई थी कि उत्तर कोरियाई लोगों को खाद्य पदार्थों के लिए फिर कभी अपनी कमर कसनी नहीं पड़ेगी।

किम जोंग उन ने अपने शासन के पहले कई वर्षों के दौरान अर्थव्यवस्था में मामूली वृद्धि हासिल की। दक्षिण कोरियाई अनुमानों ने उत्तर कोरिया के अनाज उत्पादन को पिछले साल लगभग 4.5 मिलियन टन बताया था, जो कि 2021 की तुलना में 3.8 प्रतिशत कम है। पिछले एक दशक में वार्षिक अनाज उत्पादन लगभग 4.4 मिलियन टन से 4.8 मिलियन टन तक ही स्थिर रहा है। उत्तर कोरिया को अपने 2.5 करोड़ लोगों को खिलाने के लिए लगभग 5.5 मिलियन टन अनाज की आवश्यकता है, इसलिए आमतौर पर हर साल लगभग 1 मिलियन टन अनाज कम ही होता है।

वहीं दक्षिण कोरिया में निजी जीएस एंड जे संस्थान के एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री क्वोन का कहना है कि महामारी के कारण सीमा पार व्यापार पर अंकुश लगाने से चीन से अनौपचारिक चावल की खरीद में बाधा उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरियाई अधिकारियों द्वारा नियंत्रण को कड़ा करने और बाजार की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के प्रयासों से भी स्थिति खराब हुई है। दक्षिण कोरियाई एकीकरण मंत्रालय के एक प्रवक्ता कू ब्योंगसम ने कहा कि उत्तर कोरियाई लोगों की एक अज्ञात संख्या भूख से मर गई है, लेकिन कहा कि यह समस्या 1990 के दशक के मध्य के अकाल की तरह गंभीर नहीं है। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान खाद्य समस्या अनाज की पूर्ण कमी की तुलना में वितरण का अधिक मुद्दा है, क्योंकि पिछले साल काटा गया अधिकांश अनाज अभी तक बचा हुआ है।

भारत रूस से संबंध खत्म नहीं करने वाला है, पर करवा सकता है रूस–यूक्रेन जंग का अंत : डोनाल्ड लू

–अमेरिका के दक्षिण व मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री ने दिया बयान

वाशिंगटन (एजेंसी) अमेरिका ने रूस के साथ भारत के विशेष संबंधों के महत्व को कबूल करते हुए कहा है कि भारत अपने रूस के संबंधों को खत्म नहीं करने वाला है। अमेरिका ने कहा कि उसे उम्मीद है कि भारत अपने इन संबंधों का उपयोग यूक्रेन की जंग को खत्म करने की दिशा में करेगा। अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने रूस-यूक्रेन विवाद पर भारत के रुख पर अमेरिकी का ये नजरिया सामने रखा है। अमेरिकी राजनयिक ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वे जल्द ही उन संबंधों को समाप्त करने जा रहे हैं, लेकिन हम उनसे बात कर रहे हैं कि वे इस संघर्ष में क्या भूमिका निभा सकते हैं। अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने जोर देकर कहा कि भले ही यूक्रेन के मामले पर हमारा रोजाना एक ही नजरिया नहीं हो सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि हम इस लक्ष्य को साझा करते हैं कि यह युद्ध खत्म हो और यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर में सिद्धांतों के आधार पर समाप्त हो। उन्होंने ये भी कहा कि भारत के साथ मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए वो भारत सरकार के अधिकारियों और सिविल सोसाइटी से मिलेंगे। गौरतलब है कि भारत ने 1 दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन 1 मार्च को जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए नई दिल्ली के दौरे पर पहुंचेंगे। मार्च में होने वाली विदेश मंत्रियों की आगामी बैठक जी-20 की सबसे महत्वपूर्ण बैठकों में से एक है। बहरहाल, यूक्रेन में युद्ध के एक साल पूरे हो गए हैं। अब जी-20 भारत की अध्यक्षता में इस बात को तय करेगा कि समूह किस आधार पर आगे बढ़ेगा। चीन और रूस समेत 20 देशों के विदेश मंत्रियों के समूह की बैठक में हिस्सा लेने के लिए ब्लिंकन भारत पहुंचेंगे। नई दिल्ली में चीनी विदेश मंत्री या रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ ब्लिंकन के बैठक की संभावनाओं के बारे में अमेरिकी अधिकारियों ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है।

ऐसे मसीहे की तलाश में पाक, जो डूबती नैया को पार लगा दे

– कर्ज और बाढ़ ने पाकिस्तान को बनाया कंगाल व भिखारी

पेशावर (एजेंसी)। पाकिस्तान आर्थिक बदहाली की कगार तक पहुंच गया है और इसे किसी चमत्कार का इंतजार है। पाकिस्तान ऐसे मसीहे की तलाश कर रहा है जो इसकी लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को दुरुस्त कर सके। पाकिस्तान विभिन्न मोर्चों पर कई प्रकार की समस्याओं का सामना कर रहा है, लेकिन इसके बढ़ते कर्ज के बोझ की अनदेखी नहीं की जा सकती, क्योंकि यहां महंगाई चरम पर है और विदेशी मुद्रा भंडार गिर चुका है। सबसे अधिक आबादी वाला दुनिया का पांचवां देश पाकिस्तान राजनीतिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक संकट जैसी विभिन्न समस्याओं से जूझ रहा है और यह श्रीलंका जैसी स्थिति में पहुंचने की कगार पर है। कोविड-19 महामारी की मार से उबर रहे पाकिस्तान में आई भीषण बाढ़ ने न केवल भूमि बल्कि इसकी जर्जर अर्थव्यवस्था को भी डूबोया। एशियन डेवलपमेंट बैंक इंस्टीट्यूट की ओर से किये गये नये अध्ययन के अनुसार देश का ऋण सतत ऋण बन चुका है। पाकिस्तान पर ऋण की तलवार लटक रही है, जो इसकी आयात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही है तथा इसके दूरगामी आर्थिक और सामाजिक परिणाम होंगे। पाकिस्तान का बाहरी ऋण और देयता करीब 130 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 95.39 प्रतिशत है। आर्थिक तंगी झेल रहे पाकिस्तान को अगले 12 महीनों में करीब 22 अरब डॉलर और साढ़े तीन साल में कुल 80 अरब डॉलर वापस करना है, जबकि इसका विदेशी मुद्रा भंडार केवल 3.2 अरब डॉलर है तथा इसकी आर्थिक विकास दर महज दो प्रतिशत है।

भारत के पड़ोसियों को लोन देकर बड़ा गेम खेल रहा चीन ! अमेरिका ने पाकिस्तान और श्रीलंका को किया आगाह

वाशिंगटन । (एजेंसी)। विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि अमेरिका इस बात को लेकर काफी चिंतित है कि चीन द्वारा भारत के निकटवर्ती पड़ोसी देशों- पाकिस्तान और श्रीलंका को दिए जा रहे कर्ज का इस्तेमाल जबरदस्ती करने के लिए किया जा सकता है। दक्षिण और मध्य एशिया के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने विदेश मंत्री एंटनी की भारत यात्रा से पहले संवाददाताओं से कहा कि भारत के निकटवर्ती देशों को चीनी ऋण के संबंध में, हम इस बात को लेकर बहुत चिंतित हैं कि ऋण का इस्तेमाल जबरदस्ती करने के लिए किया जा सकता है।

शीर्ष अमेरिकी राजनयिक 1 मार्च से 3 मार्च तक तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली जा रहे हैं। लू ने कहा कि अमेरिका इस क्षेत्र के देशों से बात कर रहा है कि वे अपने फैसले खुद लें और किसी बाहरी साझेदार के दबाव में न आएं। लू ने कहा, ÷हम भारत से बात कर रहे हैं, इस क्षेत्र के देशों से बात कर रहे हैं कि कैसे हम देशों को अपने निर्णय लेने में मदद करते हैं न कि ऐसे फैसले जो चीन सहित किसी बाहरी भागीदार द्वारा मजबूर किए जा सकते हैं।÷ इससे पहले दिन में, पाकिस्तानी वित्त मंत्री इशाक डार ने घोषणा की कि चीन विकास बैंक (सीडीबी) के बोर्ड ने देश को 700 मिलियन अमरीकी डालर की क्रेडिट सुविधा को मंजूरी दे दी है।

एक सवाल के जवाब में लू ने कहा कि चीन के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच गंभीर बातचीत हुई है। हमने इस निगरानी गुब्बारे पर नवीनतम घोटाले से पहले और बाद में चीन के बारे में गंभीर बातचीत की है। इसलिए मुझे पूरी उम्मीद है कि बातचीत जारी रहेगी। लू ने एक सवाल के जवाब में जोर देकर कहा कि क्वाड सैन्य गठबंधन नहीं है। ÷क्वाड, वास्तव में, एक ऐसा संगठन नहीं है जो किसी एक देश या देशों के समूह के खिलाफ हो। क्वाड इंडो-पैसिफिक का समर्थन करने वाली गतिविधियों और मूल्यों को बढ़ावा देने की कोशिश के लिए खड़ा है।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन का बड़ा बयान

भारत के विरोध के कारण रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन पर नहीं किया परमाणु हमला

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन का रूस-यूक्रेन को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध को खत्म करने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर काफी पहले ही परमाणु हमला कर चुके होते। अपनी भारत यात्रा से पहले ब्लिंकेन ने युद्ध के मैदान में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का विरोध करने के लिए भारत और चीन को श्रेय दिया। ब्लिंकेन ने कहा कि पुतिन अधिक तर्कहीन रूप से प्रतिक्रिया कर सकते हैं। मास्को से ऐसी भाषा निकल रही थी और लग रहा था कि रूस की तरफ से परमाणु हमला किया जा सकता है। यह एक चिंता का विषय था।

ब्लिंकेन ने कहा, हमने उन सभी देशों इस युद्ध को खत्म करवाने के लिए आग्रह किया, जिनके संबंध रुस से अच्छे हैं। इसमें चीन और भारत भी शामिल है। इसका असर भी हुआ। दोनों देशों ने रूस को यूक्रेन पर परमाणु हमला करने से रोकने के लिए कोशिश की और ये सफल हुआ। चीन, भारत जैसे देश उन्हें (पुतिन) को परमाणु के किसी भी उपयोग के पूर्ण विरोध किया। ब्लिंकेन ने कहा कि हम जानते हैं कि उन्होंने उन संदेशों को व्यक्त किया गया और मुझे लगता है कि इसका कुछ प्रभाव पड़ा।

ब्लिंकेन ने स्वीकार किया कि भारत और रूस के बीच दशकों पुराना संबंध है। लेकिन अब भारत और अमेरिका के बीच भी चीजें अनुकूल रूप से आगे बढ़ रही हैं। दशकों से भारत के पास मुख्य रूप से रूस था जो उसे और उसके बचाव के लिए सैन्य उपकरण प्रदान करता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमने जो देखा है वह रूस पर भरोसा करने और हमारे साथ और फ्रांस जैसे अन्य देशों के साथ साझेदारी में आगे बढ़ने को तैयार है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज दिल्ली पहुंचे, पीएम मोदी से हुई मुलाकात

नई दिल्ली । जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज 25-26 फरवरी तक भारत की यात्रा के लिए शनिवार को नई दिल्ली पहुंचे। जर्मन चांसलर स्कोल्ज के साथ वरिष्ठ अधिकारी और एक उच्चस्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी आया है। 2011 में दोनों देशों के बीच अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) तंत्र की शुरुआत के बाद से किसी भी जर्मन चांसलर द्वारा पहली स्टैंडअलोन यात्रा है। जर्मन चांसलर स्कोल्ज ने हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वहीं इसके पहले शोल?ज का राष?ट्रपति भवन में पारंपरिक स्वागत किया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर मौजूद थे। मोदी-शोल्ज वार्ता के व्यापक एजेंडे से जुड़े लोगों ने कहा कि विचार-विमर्श के दौरान रूस-यूक्रेन संघर्ष के परिणामों को प्रमुखता से उठाए जाने की उम्मीद है। स्कोल्ज ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ यूक्रेन पर रूस के युद्ध पर उस समय में चर्चा करने की योजना बनाई है जब यूरोप और उसके सहयोगी क्रेमलिन पर आर्थिक दबाव बनाए रखने और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अलग-थलग करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी साझा मूल्यों, विश्वास और आपसी समझ पर आधारित है। मजबूत निवेश और व्यापार संबंध, हरित और सतत विकास के क्षेत्रों में सहयोग और लोगों से लोगों के बढ़ते संबंधों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया है।

नेपाल के रास्ते लखीमपुर खीरी में घुसा संदिग्ध चीनी जासूस गिरफ्तार

बरेली । उत्तर प्रदेश की एक अदालत ने भारत के खिलाफ जासूसी करने के आरोपी 26 साल के चीनी नागरिक वांग गौजुन की पुलिस हिरासत रिमांड (पीसीआर) को 4 और दिनों के लिए बढ़ा दिया है। इससे पहले आरोपी की 5 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की गई थी। पुलिस गौजुन से पूछताछ कर रही है। लखीमपुर खीरी में रिमांड पर रखे गए में मौजूद गौजुन को आगे की जांच के लिए लखनऊ ले जाया जाएगा। आरोप है कि चीनी नागरिक ने बिना वैध वीजा के भारत में प्रवेश किया। उस पर जासूसी की आशंका जताई गई थी और प्रारंभिक जांच के बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। स्थानीय पुलिस ने बताया कि केंद्रीय और राज्य की कई एजेंसियां मामले पर काम कर रही हैं। लखीमपुर खीरी की अदालत ने पहले उसकी 5 दिनों की रिमांड मंजूर की थी, जो शुक्रवार दोपहर को समाप्त हो गई। अंतरिम रूप से पुलिस उसे दिल्ली ले गई, जहां उसने दो दिन बिताए। आरोपी ने यहां राष्ट्रीय राजधानी में देखी गई जगहों की जानकारी पुलिस को दी। जांच टीम ने दिल्ली में घूम रहे गौजुन के सीसीटीवी फुटेज भी बरामद किए हैं। जांच में शामिल पुलिस अब गोजुन के मोबाइल और कैमरे जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनलॉक करने की कोशिश कर रही है, ताकि फोटो ऐप जैसे मोबाइल ऐप्लीकेशन के बारे में जानकारी हासिल कर सके। चीनी नागरिक पर आईपीसी की धारा 121 (भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना) और 121-ए (आईपीसी की धारा 121 के तहत दंडनीय अपराध करने की साजिश) के साथ-साथ पासपोर्ट अधिनियम की धारा 3 और 12, विदेशियों की धारा 14 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि गौजुन पहले चीन से थाईलैंड गया और फिर वहां से नेपाल पहुंचा। नेपाल से उसने 14 फरवरी को दिल्ली पहुंचने के लिए एक बस ली। इस दौरान उसने कई जगहों का दौरा किया, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण जगहें भी शामिल थीं। गौजुन को 17 फरवरी को लखीमपुर खीरी में गौरीफंटा-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल ने नेपाल वापस जाते समय गिरफ्तार किया था।

पटना में दो जमीन कारोबारी की गोली मारकर हत्या

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे से करीब 17 घंटे पहली हुई वारदात

पटना । बिहार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर हाई अलर्ट है। पुलिस प्रशासन सुरक्षा के पुख्ता दावे कर रहा है। बावजूद इसके राजधानी पटना में डबल मर्डर की सनसनीखेज वारदात हुई है। पटना सिटी में बेखौफ बदमाशों ने दो जमीन कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। ये घटना अमित शाह के दौरे से करीब 17 घंटे पहली हुई है। पुलिस दोनों हत्या के पीछे कारोबारी रंजिश की आशंका जता रही है। साथ ही पुलिस टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार ये सनसनीखेज वारदात पटना सिटी इलाके के बाईपास थाना क्षेत्र में जोर विगहा गांव की है। शुक्रवार देर रात दो जमीन कारोबारियों की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना में मृतक की पहचान मेंहदीगंज निवासी 36 साल के राजेश और 35 साल के संजीव कुमार के रूप में हुई है। घटना रात एक बजे की बताई जा रही है। खास बात ये है कि इसी इलाके में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आना हो रहा है। डबल मर्डर के इस मामले में एएसपी अमित रंजन ने बताया कि अपराधियों के निशाने पर जमीन कारोबारी संजीव कुमार थे। लेकिन उनके साथ रहे राजेश कुमार भी थे। इस लिए अपराधियों ने उनकी भी गोली मारकर हत्या कर दी। एएसपी ने बताया कि दोनों प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री का काम करते थे। पुलिस ने दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कालेज अस्पताल (एनएमसीएच) भेजा है। बताया जा रहा है कि पुलिस को सूचना मिली कि जोर विगहा गांव के पास सुनसान इलाके में खून से लथपथ दो युवकों के शव पड़े हैं। दोनों शव झाड़ी में पड़े थे। अपराधियों ने दोनों को सिर और छाती में गोली मारी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि इस दोहरे हत्याकांड में हर बिंदु पर जांच पड़ताल की जा रही है। डबल मर्डर केस को लेकर पुलिस आसपास के इलाकों के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। एएसपी ने कहा कि दोनों की हत्या कर शव सुनसान इलाके में झाड़ी में फेंका गया था। इस वजह से पुलिस को भी काफी देर से सूचना मिली। दोनों जमीन कारोबारियों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। घटना के बाद से इलाके में हड़कंप है। अमित शाह के दौरे से पहले राजधानी पटना में डबल मर्डर से लॉ एंड ऑर्डर पर सवाल खड़े हो गए हैं।

महाराष्ट्र में रोजाना 8 किसान कर रहे आत्महत्या 7 महीने में 1717 किसानों ने की आत्महत्या 773 परिवारों को अबतक मदद नहीं

मुंबई । महाराष्ट्र में लगातार किसानों द्वारा आत्महत्या करना चिंता का विषय है. राज्य या केंद्र सरकार कोई ऐसी ठोस योजना अबतक नहीं बना पा रही है ताकि आत्महत्या का सिलसिला थम सके. इस बीच चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि महाराष्ट्र में रोजाना 8 किसान आत्महत्या कर रहे हैं और बीते 7 महीने में 1717 किसानों ने आत्महत्या की है. आश्चार्यजनक बात ये है कि 773 परिवारों को अबतक कोई सरकारी मदद नहीं मिल पाया है. कहा गया है कि राज्य के आठ जिलों में किसानों द्वारा आत्महत्या की दर सबसे अधिक है. आपको बता दें कि जब एकनाथ शिंदे ने पिछले साल 30 जून को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उस समय उन्होंने ये दावा किया था कि अब राज्य में एक भी किसान आत्मघाती कदम नहीं उठाएंगे और महाराष्ट्र आत्महत्या मुक्त महाराष्ट्र होगा। लेकिन पिछले सात महीनों में अमरावती जलगाँव औरंगाबाद जालाना बीड यवतमाल बुलढाणा और वर्धा इन आठ जिलों में सबसे अधिक किसानों द्वारा आत्महत्या करने की जानकारी सामने आई है।

अमरनाथ यात्रा के लिए तैयारियां हुई शुरू, अप्रैल तक मार्गों से बर्फ हटाने के आदेश जारी

जम्मू। जम्मू कश्मीर के अधिकारियों ने वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारी के तहत सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा मंदिर की ओर जाने वाले दोनों मार्गों से अप्रैल तक बर्फ हटाने का निर्देश दिया है। अमरनाथ यात्रा आमतौर पर जून या जुलाई में अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम पारंपरिक मार्ग और गंदेरबल जिले में 14 किलोमीटर छोटे मार्ग बालटाल से शुरू होती है, जो निर्बाध रास्ता और मौसम की स्थिति पर निर्भर करती है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि यहां श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की 12वीं उच्च स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव ए.के. मेहता ने दोनों मार्गों पर आपदा संभावित क्षेत्रों को चिह्नित करने की जरूरत का जिक्र किया। प्रवक्ता ने बताया कि बीआरओ को अप्रैल खत्म होने से पहले चंदनवाड़ी और बालटाल के दोनों सिरों से सड़कों से बर्फ हटाने का निर्देश दिया गया है ताकि विभिन्न विभाग अपनी गतिविधियां सुगमता से कर सकें।

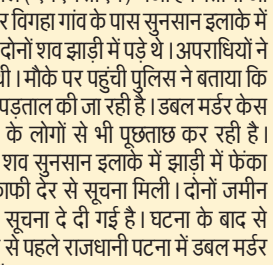

सोनिया का मोदी सरकार पर हमला,

अपने कारोबारी मित्रों के लिए सरकार चला रहे मोदी

-संबोधन में दिया संकेत भारत जोड़ो यात्रा के साथ राजनैतिक पारी समाप्त हो सकती

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नया रायपुर में हो रहे कांग्रेस के 85वें पूर्ण अधिवेशन में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और यूपीए चैयरमैन सोनिया गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। सोनिया ने कहा कि केंद्र सरकार और आरएसएस ने सभी स्वायत्त एजेंसियों पर कब्जा कर लिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी देश के लिए नहीं अपने मित्रों के लिए सत्ता चला रहे हैं। सोनिया ने इसी के साथ राहुल गांधी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि राहुल के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा ने बहुत अच्छा काम किया। सोनिया ने कहा कि जिस तरह से राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में लोगों के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना वहां काबिले तारीफ है।

दूसरे दिन के कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने संकेत दिया कि भारत जोड़ो यात्रा के साथ ही उनकी राजनीतिक पारी समाप्त हो सकती है। उन्होंने कहा कि यात्रा एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में आई है। इस यात्रा ने साबित कर दिया है, कि भारत के लोग सद्भाव, सहिष्णुता और समानता चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह कांग्रेस और पूरे देश के लिए एक चुनौतीपूर्ण समय है। सोनिया ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने बहुत कुछ हासिल किया है, एक अच्छा समय भी देखा, बहुत कुछ हासिल किया, लेकिन अब एक मुश्किल दौर से गुजर रही है। पिछले दिनों देश में नफरत के कारण महिलाओं, आदिवासियों, गरीबों और पिछड़ों पर हमले किए गए। ये हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम इस नफरत को देश में खत्म करें।

कांग्रेस केवल एक पार्टी नहीं है ये एक विचार है और जीत केवल हमारी होगी। सोनिया गांधी ने कहा कि हमें भाजपा शासन से सख्ती से निपटना होगा और लोगों तक अपनी पहुंच बढ़ानी होगी ताकि अपने संदेश स्पष्टता के साथ दे सकें। सोनिया ने कहा कि भाजपा नफरत की आग में घी डालने का काम कर रही है, इतना ही नहीं भाजपा अल्पसंख्यकों, महिलाओं, दलितों, आदिवासियों को निशाना बना रही है। कांग्रेस नेता ने इसके साथ कहा कि यह समय पार्टी और देश के लिए चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि भाजपा ने हर संस्थान पर कब्जा कर लिया है।

सोनिया ने कहा कि कांग्रेस एक राजनीतिक पार्टी नहीं बल्कि एक ऐसा माध्यम है,जिसके द्वारा लोग समानता, स्वतंत्रता और न्याय के लिए लड़ते हैं। हम लोगों की आवाज को आगे बढ़ाते हैं और उनके सपने पूरे करते हैं। सोनिया ने इसी के साथ कहा कि कांग्रेस ने हमेशा लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया है।

भारतीय समाज लिव इन को मान्यता नहीं देता, महिला के पास बचता है सिर्फ रिपोर्ट का विकल्प : हाईकोर्ट

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि लिव इन रिलेशनशिप टूटने के बाद महिला का समाज में अकेले रहना कठिन है। भारतीय समाज लिव इन को मान्यता नहीं देता। लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिला के पास एफआईआर दर्ज कराने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचता। लिव इन के एक मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आरोपी की जमानत मंजूर कर ली है। इस मामले में पीड़िता शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। महिला याची के संपर्क में आई और बाद में लिव इन में रहने लगी। जब वह गर्भवती हो गई तो उसने शादी करने का दबाव बनाया, लेकिन जब आरोपी के शादी करने से इनकार कर दिया तो महिला ने उसके ऊपर रेप के आरोप में शिकायत दर्ज कराई। याची ने पीड़िता का आपत्तिजनक वीडियो उसके पूर्व पति को भेज दिया। इसके कारण उसने साथ रहने से इनकार कर दिया। आरोपी का कहना था कि पीड़िता बालिग है। लिव इन की सहमति थी, उसने शादी का वादा कर लिव इन रिलेशनशिप नहीं बनाई। वह फर्जी अपराध के केस में नवंबर 22 से जेल में बंद हैं। उसे जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए। इस पर कोर्ट ने उसकी जमानत मंजूर कर ली है। इस मामले में बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि रिश्ते की शुरूआत शादी के वादे के साथ नहीं हुई थी।

केंद्र की बीजेपी सरकार को हमसे डर है उद्धव ठाकरे से डर है- अरविंद केजरीवाल

- किसानों बेरोजगारों और आम जनता की समस्याओं को हल करना हमारी प्राथमिकता

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगतव सिंह मान शुक्रवार शाम को अपने एक दिन के मुंबई दौरे में उद्धव ठाकरे से मिलने मातोश्री पहुंचे. इस मुलाकात के बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने देश की स्थिति पर चर्चा की है। मुद्रास्फीति बढ़ रही है। लेकिन आम जनता की आय में वृद्धि नहीं हो रही है लागत बढ़ रही है। केजरीवाल ने कहा देश में एक दूसरे का साथ देकर आगे बढ़ने की जरूरत है लेकिन देश में डर का माहौल है. ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल किया जा रहा है. ऐसा इसलिए हो रहा है कि केंद्र की बीजेपी सरकार को हमसे डर है उद्धव ठाकरे से डर है. केंद्र सरकार ने दो करोड़ नौकरी देने का वादा किया था. वह नौकरी नहीं दे पा रही. बेरोजगारी बढ़ रही. नौकरी नहीं मिल रही और महंगाई इतनी बढ़ रही कि आम आदमी का घर चलाना मुश्किल हो रहा है. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार कुछ उद्योगपतियों के लाभ के लिए काम कर रही है। देश में एक पार्टी है जो 24 घंटे चुनावों के बारे में सोच रहा है। हम लोगों के सवालों के बारे में सोच रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि किसानों बेरोजगारों और आम जनता की समस्याओं को हल करना हमारी प्राथमिकता है।

अरविंद केजरीवाल ने चुनाव आयोग के परिणामों पर भी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा उद्धव ठाकरे की पार्टी चोरी हो गई निशान चोरी हो गया लेकिन उद्धव के पिता शेर थे वे एक शेर के बेटे हैं. उनके पीछे सारा महाराष्ट्र खड़ा है. मुझे उम्मीद है कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा÷। पंजाब के मुख्यमंत्री भागवंत मान ने कहा कि आज उद्धव ठाकरे से मिलने का मौका था। पंजाब और महाराष्ट्र का एक अनोखा रिश्ता रहा है। भगत सिंह पंजाब के थे जबकि राजगुरु पुणे से थे। कई स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बाद देश ने स्वतंत्रता प्राप्त की है। लेकिन अब बहुत से लोग देश को लूट रहे हैं और विदेश में भाग रहे हैं। हमने उन मुद्दों पर चर्चा की है कि देश के हितों को कैसे हासिल किया जाएगा लोग कैसे प्रगति करेंगे। केजरीवाल जब मातोश्री गये तो उस समय उनके साथ उनकी पार्टी के नेता और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और राघव चड्ढा भी थे.

कांग्रेस पार्टी के 85वें पूर्ण अधिवेशन के दूसरे दिन सोनिया की मौजूदगी में खड़गे ने किया ध्वजारोहण

रायपुर (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के 85वें पूर्ण अधिवेशन के दूसरे दिन शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस महाअधिवेशन में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की उपस्थिति में ध्वजारोहण कर सत्र की शुरूआत की। सत्र के पहले दिन, कांग्रेस संचालन समिति ने सर्वसम्मति से कांग्रेस कार्य समिति के लिए चुनाव नहीं कराने का फैसला किया और पार्टी प्रमुख को अपने सदस्यों को मनोनीत करने का अधिकार दिया। पार्टी के 85वें पूर्ण अधिवेशन के दूसरे दिन कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की बैठक में लगभग 15,000 प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं।

रायपुर में कांग्रेस सांसद और यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि यह कांग्रेस और पूरे देश के लिए एक चुनौतीपूर्ण समय है। बीजेपी-आरएसएस ने देश की हर एक संस्था पर कब्जा कर उस बर्बाद कर दिया है। मोदी सरकार ने कुछ व्यापारियों का पक्ष लेकर आर्थिक तबाही मचाई है। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के सक्षम नेतृत्व के साथ 2004 और 2009 में हमारी जीत ने मुझे व्यक्तिगत संतुष्टि दी लेकिन मुझे सबसे ज्यादा खुशी इसकी है कि मेरी पारी भारत जोड़ो यात्रा के साथ समाप्त हुई, जो कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

प्रकृति का खेल : पुरुष के शरीर में मिले पुरुष प्रजनन अंगों के साथ-साथ महिलाओं के अंग भी

-रोबोटिक ऑपरेशन से शरीर में से डाक्टरों ने निकाला फीमेल ऑर्गन्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रकृति का एक ऐसा खेल सामने आया है कि शादी के बाद बच्चे नहीं हुए तो हैरान कर देने वाली बात पता चली। एक शख्स के शरीर में पुरुष प्रजनन अंगों के साथ-साथ महिलाओं के अंग भी मौजूद थे। राजधानी दिल्ली से सटे फरीदाबाद में एक शख्स का जब हॉस्पिटल में चेकअप किया गया तो पता चला कि उसके शरीर में पुरुष प्रजनन अंगों के साथ-साथ महिलाओं के अंग भी हैं। शख्स के शरीर में महिलाओं जैसा यूट्रस, ओवरी और फैलोपियन ट्यूब जैसे अंग थे। इसे प्रकृति का अचंभा न कहें तो क्या कहें। कमाल की बात ये है कि शख्स की उम्र 30 साल है और बचपन से उसे कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। शख्स की शादी को 5 साल हो गए हैं, लेकिन काफी कोशिश के बाद भी उन्हें बच्चा नहीं हुआ। इसलिए वो अपनी पत्नी के साथ हॉस्पिटल गया, जहां उसे प्रकृति के इस अचंभे के बारे में पता चला। उसकी पत्नी ने बताया कि शादी के बाद से दोनों के बीच सब कुछ ठीक चल रहा है। दोनों ने बच्चे के लिए भी कई बार ट्राई किया। जब उन्हें इस बारे में पता चला तो वो हैरत में पड़ गईं।

डॉक्टरों का कहना है कि कई लाख लोगों में एक में मेल और फीमेल के अंग विकसित हो सकते हैं। मेडिकल की भाषा में इसे सेकंडरी सेक्सुअल कैरेक्टर कहा जाता है। आमतौर पर जब लोगों को इस बारे में पता चलता है, तो डॉक्टर्स अनावश्यक अंगों को निकाल देते हैं। फरीदाबाद के शख्स का रोबोटिक ऑपरेशन करके उसके शरीर में से फीमेल ऑर्गन्स को निकाल दिया गया है। शख्स पर्सिस्टेंट मुलेरियन डक्ट सिंड्रोम से ग्रसित था। शख्स के शरीर में से महिलाओं के अंग तो ऑपरेशन करके निकाल दिए गए हैं, लेकिन अभी भी इनके टेस्टिस रह गए हैं। इन्हीं टेस्टिस की वजह से स्पर्म नहीं बन सकता। ऐसे में वो सामान्य रूप से कभी पिता नहीं बन सकता। हालांकि टेस्ट ट्यूब बेबी की मदद से वो पेरेंट्स बन सकते हैं, लेकिन शख्स अपनी सेक्स लाइफ को नॉर्मल तरीके से जी सकता है। ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर ने बताया कि वो जन्म से ही पर्सिस्टेंट मुलेरियन डक्ट सिंड्रोम से पीड़ित था।

वीएचपी और बजरंग दल को आतंकी संगठन घोषित करो, उन पर प्रतिबंध लगाओ : मौलाना तौकीर रजा खान

लखनऊ (एजेंसी)। इत्तिहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान ने हरियाणा के भिवानी में दो मुस्लिम पुरुषों की हालिया हत्याओं पर प्रतिक्रिया करते हुए मांग की है कि विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल जैसे दक्षिणपंथी संगठनों को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की तरह ही आतंकवादी संगठन घोषित किया जाए और उन पर प्रतिबंध लगाया जाए।

आईएमसी प्रमुख ने एएनआई के हवाले से कहा था भिवानी की घटना 16 फरवरी को हुई थी, लेकिन हमने अपनी चुप्पी बनाए रखी है। हमारे बच्चों जुनैद और नासिर पर झूठे आरोप लगाए गए और उनकी हत्या कर दी गई। जब आरोपियों के समर्थन में बैठकें और महापंचायतें हुईं, तब हमें लगा कि हत्याएं और मॉब लिंचिंग भारत में आम हो गए हैं। उन्होंने कहा जिस तरह से पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया गया था, वीएचपी और बजरंग दल को आतंकवादी संगठन घोषित किया जाना चाहिए और उन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भिवानी में जो कुछ हुआ उससे हिंदू समुदाय को भी गलत संदेश जाता है। वे सोच सकते हैं कि अगर वे इस तरह के कृत्यों में शामिल होते हैं, तो उन्हें भी नायक के रूप में लेबल किया जाएगा। प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए अन्यथा स्थिति और भी खराब हो जाएगी। जुनैद और नासिर के जले हुए शव 16 फरवरी को भिवानी में पाए गए थे। दोनों पीड़ितों का कथित तौर पर गो-रक्षकों द्वारा अपहरण और हत्या कर दी गई थी। उनके परिवारों ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बजरंग दल से कथित रूप से जुड़े पांच लोगों का नाम लिया था। अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान पुलिस को जुनैद और नसीर के अपहरण और हत्या के बाद दर्ज प्राथमिकी में नामजद आठ आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत मिले हैं। हालांकि, मामले में बजरंग दल के सदस्य मोनू मानेसर की भूमिका की अभी भी जांच की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस ने अपनी जांच में पाया कि सभी आरोपी कथित पशु तस्करों को पकड़ने के लिए गोरक्षकों के तौर पर एक निजी अभियान चला रहे थे। इसी क्रम में उन्होंने एक बोलेरो कार को रोका जिसमें जुनैद और नसीर सवार थे। आरोपियों ने दोनों की पिटाई की उन्होंने कहा क्या दोनों पीड़ितों को पीटने के बाद हरियाणा पुलिस के

पास ले जाया गया था, इसकी अभी भी जांच की जा रही है। मामले में गिरफ्तार आरोपी रिंकू सैनी से पूछताछ के आधार पर वाहन को जब्त कर लिया गया है। बजरंग दल ने कहा कि बिना सबूत पार्टी के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज करना गलत है। हरियाणा पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर 30 से 40 अज्ञात राजस्थान पुलिस कर्मियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है कि उसकी गर्भवती बहू ने अपने बेटे को पकड़ने के लिए छापेमारी के दौरान कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की थी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव नए सिरे से कराने पर लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एमसीडी की स्थाई समिति के सदस्यों के फिर से चुनाव पर रोक लगा दी है। यह चुनाव 27 फरवरी 2023 को होने वाला था। ऐसे भाजपा के लिए राहत माना जा रहा है। शुक्रवार को एमसीडी की स्थायी समिति के चुनाव के दौरान एक वोट को अवैध घोषित करने के मेयर शैली ओबेरॉय के फैसले के खिलाफ भाजपा की दो पार्षद शिखा रॉय और कमलजीत सहरावत ने दिल्ली एचसी का रुख किया। उपराज्यपाल, मेयर और एमसीडी को हाई कोर्ट से नोटिस किया गया है। हाईकोर्ट ने मतपत्र सुरक्षित रखने के आदेश दिए हैं। सीसीटीवी फुटेज और अन्य दस्तावेज सुरक्षित रखे जाएं ऐसा हाईकोर्ट ने कहा है। मेयर के दोबारा चुनाव कराने के फैसले पर भी रोक लगा दी है। भाजपा ने शनिवार को दावा किया कि एक दिन पहले तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा की गई गणना के आधार पर भगवा पार्टी और आप के तीन-तीन उम्मीदवारों को एमसीडी की स्थायी समिति के सदस्यों के रूप में 'निर्वाचित' किया जाना था और महापौर को इस परिणाम को स्वीकार करना चाहिए और इसकी घोषणा करनी चाहिए। भाजपा ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) की विधायक आतिशी पर एमसीडी की छह सदस्यीय स्थायी समिति के चुनाव के दौरान मारपीट की साजिश रचने का आरोप लगाया और उन्हें 'खलनायिका' करार दिया।

भारत ने कोरोना में बचाए 34 लाख जीवन, वैक्सीन बना सबसे बड़ा हथियार, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना महामारी ने ऐसी आफत दी एक-एक दिन में हजारों जानें ली। सारी दुनिया इस वैश्विक महामारी से त्रस्त रही। लेकिन इन सब के बीच एक रिपोर्ट सामने आई है जिसमें बताया गया है कि भारत ने कोरोनाकाल में 34 लाख से ज्यादा लोगों की जान बचाई है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस के वर्किंग पेपर के अनुसार भारत में कोविड-19 वैक्सिनेशव प्रोग्राम 3.4 मिलियन लोगों की जान बचाने और नुकसान को रोककर 15.4 बिलियन डॉलर का शुद्ध आर्थिक लाभ उत्पन्न करने में सक्षम रही। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की रिपोर्ट केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया द्वारा जारी की गई, जिन्होंने विश्वविद्यालय के ÷द इंडिया डायलॉग÷ में अपने वर्चुअल संबोधन के दौरान पेपर प्रस्तुत किया। मंडाविया ने अपने भाषण में दावा किया कि भारत ने इतिहास में सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया है, जिसमें 12 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 2.2 बिलियन से अधिक खुराक प्रदान की गई है, जिसमें पहली खुराक का 97 प्रतिशत और दूसरी खुराक का 90 प्रतिशत कवरेज है। सभी के लिए समान कवरेज पर अभियान के जोर के कारण, सभी नागरिकों को मुफ्त टीकाकरण प्राप्त हुआ। उन्होंने दावा किया कि अंतिम-मील वितरण को सुनिश्चित करने के लिए, अभियान और डिजिटल उपकरण जैसे 'हर घर दस्तक,' मोबाइल टीकाकरण टीमों के साथ-साथ को-विन वैक्सीन प्रबंधन मंच का उपयोग किया गया था। उन्होंने कहा कि सफलता चिंताओं को दूर करने और गलत सूचना को नियंत्रित करने पर निर्भर करती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

ट्रांजिट रिमांड के बगैर आरोपी को ले जाने पर सूरत के चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ यूपी में केस दर्ज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,बगैर ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किए आरोपी सूरत लाने वाले चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश में अपहरण केस दर्ज होने से पुलिस बेडे में हड़कम्प मच गया। आरोपी की पत्नी की शिकायत पर उत्तर प्रदेश की कोर्ट ने सूरत के चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया था। कोर्ट के आदेश पर उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के विजयनगर पुलिस ने सूरत साइबर क्राइम के एएसआई पृथ्वीराज बघेल, यूएम महाराजसिंह, हेड कांस्टेबल इंद्रजीतसिंह और

पुलिस कांस्टेबल के खिलाफ दफा 452, 323, 365 और 342 के तहत मामला दर्ज किया है। दरअसल सूरत पुलिस ने इंश्योरंस के नाम पर रु 6.79 ठगे जाने के मामले में सिम कार्ड मुहैया कराने पर उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के विजयनगर निवासी 37 वर्षीय देवेन्द्र महेशचंद्र गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसे मामले में सूरत पुलिस ने देवेन्द्र गुप्ता को गत 26 दिसंबर 2022 की देर रात 1 बजे गाजियाबाद के विजयनगर से गिरफ्तार किया था।

देवेन्द्र गुप्ता को लेकर सूरत पुलिस विजयनगर पुलिस थाने पहुंचीं। कुछ देर बाद देवेन्द्र गुप्ता की पत्नी भी विजयनगर पुलिस थाने पहुंच गई। जहां उसने सूरत पुलिस से अपने देवेन्द्र गुप्ता को किस आरोप में गिरफ्तार करने पर सवाल उठाए। देवेन्द्र की पत्नी के मुताबिक पुलिस ने उसके सवाल का जवाब देना तो दूर पति से मुलाकात तक करने नहीं दी। जिसके बाद देवेन्द्र की पत्नी ने उत्तर प्रदेश की कोर्ट में सूरत पुलिस के खिलाफ शिकायत कर दी। जिसके आधार पर उत्तर प्रदेश की कोर्ट ने सूरत के चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया।

कोर्ट के आदेश पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने सूरत के चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ अपहरण का केस दाखिल किया है।

पति की मौत की खबर मिलने के आधे घंटे बाद पत्नी की भी मौत, दोनों की एक साथ उठी अर्थी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,मोटर साइकिल स्लीप होने की वजह से एक युवक की मौत हो गई थी। यह खबर जब उसकी पत्नी को मिली तो उसने भी 30 मिनट बाद दुनिया को अलविदा कर दिया और अनंत यात्रा पर निकल गई। पति-पत्नी की एक साथ अर्थी निकली। घटना नवसारी जिले की खेरगाम तहसील के तोरणवेरा गांव की है।

तोरणवेरा गांव निवासी अरुण गावित गुरुवार की रात जब अपने घर लौट रहा था, तब गांव के निकट मोटर साइकिल स्पील हो गई थी। इस घटना में गंभीर चोट लगने से अरुण गावित की मौत हो गई। पति की मौत की खबर सुनते ही अरुण गावित की पत्नी भावना गावित गिरकर बेहोश हो गई। भावना को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन अस्पताल के डॉक्टर ने भावना को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने भावना की मौत का कारण हार्टअटैक बताया। भावना ने पति अरुण की मौत के ठीक आधे घंटे बाद अपना शरीर छोड़ दिया।

पति-पत्नी की मौत से उनके दो संतान अनाथ हो गए हैं। पति-पत्नी की एक साथ घर से निकली अर्थियां देख सभी आंखें नम हो गईं। भावना गावित खेरगाम के पूर्व सरपंच थी। सेवाभावी दंपत्ति की मौत से तोरणवेरा गांव में शोक का माहौल है।

आवारा कुत्तों का आतंक जारी, राजकोट में ढाई-तीन साल के बच्चे को नोंचा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,गुजरात समेत देशभर में आवारा पशुओं ने आम लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। आवारा पशुओं की वजह से कई लोग अपने जान गंवा चुके हैं। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन की ओर से इस दिशा में कोई उचित कदम नहीं उठाए जाते। कुछ दिन पहले हैदराबाद में चार साल के बच्चे को आवारा कूत्तों को झूंड ने नोंच नोंच के मार डाला था। सूरत में ऐसी ही घटना सामने आई थी, जिसमें 2-3 कूत्तों ने दो साल की एक बच्ची पर हमला कर दिया था। कूत्तों के काटने से लहूलुहान बच्ची को सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां तीन दिन के उपचार के बाद बच्ची की मौत हो गई थी। सूरत के बाद अब राजकोट में भी ऐसी घटना सामने आई है। घटना राजकोट के औद्योगिक क्षेत्र शापर वेरावल की है। शापर वेरावल में शीतला माता के मंदिर के खुले मैदान में एक ढाई से तीन साल का बच्चा खेल रहा था। जिस पर तीन से चार कूत्तों ने हमला कर दिया। कूत्तों के काटने से बच्चा बुरी तरह घायल हो गया। आसपास के लोगों ने बच्चे को कूत्तों से छुड़ाया और लहूलुहान हालत में उसके परिवार के पास ले गए। बाद में बच्चे को तुरंत राजकोट के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आवारा कूत्तों का आतंक केवल राजकोट ही नहीं बल्कि अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा समेत बड़े शहरों में लगातार बढ़ता जा रहा है। पहले लोग सांढ के आतंक से परेशान थे और अब कूत्तों ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कूत्तों की बढ़ती आबादी और लोगों पर बढ़ते हमलों के बावजूद प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आज विकास पथ तेजी से बढ़ रहा है : सीआर पाटील

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कच्छ,गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने पार्टी कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। सीआर पाटील कच्छ के धोरडो में आयोजित प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा, प्रदेश भाजपा अनुजाति और प्रदेश भाजपा पिछड़े वर्ग मोर्चा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा अनुशासन में यकीन करती है। इस मौके पर सीआर पाटील ने तीनों मोर्चा को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। इस बैठक में संगठन के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। सीआर पाटील ने बैठक में

उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए संगठन शक्ति मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज गुजरात के लोग विकास कार्यों को देख गौरव की अनुभूति करते हैं। बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों के साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की गई। प्रदेश महामंत्री और सांसद विनोद चावडा ने बैठक में पीएम मोदी के कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि कच्छ का जो विकास हुआ है वह मोदी को आभारी है।

काम के बदले साथ हमबिस्तर होने की मांग,
समाज के मशहूर चेहरे जो रखते हैं चेहरे पर चेहरा...
हम करेंगे ऐसे लोगों को
Helpline:-9879141480
"बेनकाब"
Problem
Information
& Help

प्रथम न्याय
सच सिर्फ सच... डंके की चोट पर

"बेनकाब"